कोलफील्ड मिरर

CFM 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | सोमवार 29 अप्रैल 2024 | वर्ष-07 | अंक-1013 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

संदेशखाली मामले में सीबीआई जांच के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ममता सरकार

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (कोलकाता): कलकत्ता उच्च न्यायालय के संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआई जांच का निर्देश देने के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय सोमवार को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति बी.आर.गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के इस मामले की सुनवाई करने की संभावना है। शीर्ष अदालत के समक्ष अपनी याचिका में, राज्य सरकार ने कहा है कि उच्च न्यायालय के 10 अप्रैल, 2024 के आदेश ने पुलिस बल सहित पूरे राज्य तंत्र को हतोत्साहित किया है।

याचिका में कहा गया है, "उच्च न्यायालय ने एक बहुत ही सामान्य आदेश में राज्य को बिना किसी दिशानिर्देश के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है, भले ही वह जनहित याचिका में याचिकाकर्ताओं द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित न हो। यह संदेशखालि क्षेत्र में किसी भी संज्ञेय अपराध की जांच करने के लिए राज्य पुलिस की शक्तियों को हड़पने के समान है।" संदेशखालि में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले के मामले की जांच पहले से ही सीबीआई कर रही है और एजेंसी ने पांच जनवरी की घटनाओं से संबंधित तीन प्राथमिकी दर्ज की हैं।

जांच की निगरानी अदालत द्वारा किए जाने का उल्लेख करते हुए, उच्च न्यायालय ने राजस्व दस्तावेज और कथित भूमि के भौतिक निरीक्षण का गहन निरीक्षण करने के बाद मछली पालन के लिए कृषि भूमि के जल निकायों में कथित अवैध रूपांतरण पर एक व्यापक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और भूमि पर कब्जा करने के आरोपों की जांच करने और सुनवाई की अगली तारीख पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय की पीठ ने मामले को अगली सुनवाई के लिए दो मई को सूचीबद्ध किये जाने का निर्देश दिया तथा उस दिन तक सीबीआई को रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा था।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में सात दिवसीय बेसिक गाइड कप्तान प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (खड़गपुर): के.वि.सं. संभागीय उपायुक्त संजीब सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण शिविर का सुभारम्भ किया तथा लार्ड बेवन पावेल के छाया चित्र पर पुष्पार्पण किया. 4 मई तक चलने वाले इस शिविर में कोलकाता संभाग के 55 केंद्रीय विद्यालयों से 98 प्रतिभागी (शिक्षिकाएं) तथा 09 ट्रेनर भाग ले रहे हैं प्राचार्या श्रीमती रिकिशा भौमिक ने स्कार्फ और ग्रीन पॉट देकर सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा अपने भाषण में पूर्ण सहयोग और प्रत्येक सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया केंद्रीय विद्यालय क्र.3 के प्राचार्य सुदीप मंडल, केंद्रीय विद्यालय क्र.2 के उप प्राचार्य नरेंदर सिंह तथा उप प्राचार्य चन्द्र शेखर सिंह भी उपस्थित रहे|

विद्यालय के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना और स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया प्रशिक्षण शिविर एल ओ सी मधुलिका मधु ने सात दिन के कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की और कहा कि यह कैंप हमे नवाचार तथा नये आयामों की ओर ले जाने वाला सिद्ध होगा मुझे शिविर की जिम्मेदारी सौंपी गई है सब के सहयोग से इसे सफल बनाएगे, मौसम की प्रतिकूलता को देखते हुए सभी प्रशिक्षण कक्षाएं शीतल कक्षों में होंगी इस शिविर की समन्वयक नबनीता दास, पिंकी सिंह, एल्लोरा सिन्हा, टीसी सुपर्णा सेन, श्रेया बेरा व्यवस्था सहयोग के लिए तत्पर रहेगी, कार्यक्रम का संचालन मनीषा शर्मा और श्रेया बेरा ने किया|

भाजपा प्रत्याशी सुभाष सरकार पेड़ के नीचे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर मुढ़ी खाई

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (बाँकुड़ा): भाजपा उम्मीदवार सुभाष सरकार ने सुबह-सुबह पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ सड़क किनारे एक पेड़ की छाया में बांस के मचान पर बैठकर मुढ़ी खाई। पार्टी नेता व कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा के दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से जनसंपर्क भी बेहतर किया. और अंततः पार्टी के घोषित कार्यक्रम को व्यवहारिक तरीके से कहा गया.

बांकुरा लोकसभा चुनाव छठे चरण में 25 मई को. जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, एक तरफ जैसे-जैसे प्रकृति की गर्मी बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे दक्षिणपंथी और वामपंथी दोनों पार्टियां अपने प्रचार अभियान में तेजी ला रही हैं. भीषण गर्मी में भी वोट के लिए प्रचार करने के लिए कोई पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहा है। आज सुबह सात बजे सुभाष सरकार पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ बांकुरा शहर के लागोआ पुआबागान जंक्शन पहुंचे. वहां आम के पेड़ की छांव में बांस के मचान में सुभाष सरकार पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठे. चर्चा के बीच में, सुभाष सरकार चॉप, खीरे, प्याज और हरी मिर्च के साथ मुढ़ी खाते हैं। मुढ़ी खाने के साथ-साथ राजनीतिक चर्चा भी जारी रही. सुभाष सरकार ने क्षेत्र के विभिन्न स्तर के लोगों से जनसंपर्क भी किया. पेशे से डॉक्टर सुभाष सरकार का दावा है कि इस गर्मी में पसीने के साथ शरीर से अधिक मात्रा में नमक निकलने के कारण लोग बीमार पड़ जाते हैं। इसलिए इस गर्मी में मुढ़ी खाना स्वास्थ्यवर्धक है। और इसके अलावा, बांकुरा के लोग नाश्ते में मुढ़ी खाना पसंद करते हैं। बांकुरा निवासी होने के कारण उनका भी शौक है. और इसलिए वह प्रचार, जनसंपर्क और राजनीतिक कामकाज के बीच ऐसे ही बैठे हुए हैं.

मणिपुर में आतंकी हमले में शहीद का पार्थिव शरीर पहुंचा घर, नम आँखों से दी गई अंतिम विदाई

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (बाँकुड़ा): मणिपुर में आतंकी हमले में शहीद हुए अर्धसैनिक बल के जवान का शव बांकुड़ा के सोनामुखी थाने के पंचाल गांव स्थित घर पहुंचा. अरूप सैनी नाम के जवान का पार्थिव शरीर विमान से कोलकाता लाया गया. आज सुबह ताबूत में बंद शव को उनके पांचाल गांव स्थित घर ले जाया गया। वहां बांकुरा के पुलिस अधीक्षक समेत पुलिस के आला अधिकारियों ने उनके ताबूत के समीप पहुंचकर शहीद को नम आंखों से अंतिम विदाई दी.

शुक्रवार रात मणिपुर के बिष्णुपुर के नारानसेना में कुकी उग्रवादियों के हमले में हेड कांस्टेबल अरूप सैनी समेत दो सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए। उग्रवादी हमले में अरूप सैनी की मौत की खबर शनिवार को बांकुड़ा के सोनामुखी थाने के पंचाल गांव में अरूप सैनी के घर पहुंची. इसके बाद से पूरा गांव लगभग शोक में डूबा हुआ है. ग्रामीण आंखों में आंसू लिए अरूप सैनी को आखिरी बार देखने का इंतजार कर रहे थे। अरूप सैनी का ताबूत में बंद शव कल विशेष विमान से कोलकाता पहुंचा। वहां से आज सुबह सीआरपीएफ के जवान अधिकारी अरूप सैनी के शव को सोनामुखी थाना के पांचाल गांव ले गये. मंच गांव के घर के पास बनाया गया था. उस मंच के आसपास सुबह से ही लोग कतारों में जमा थे. सुबह सात बजे शहीद का पार्थिव शरीर मंच पर लाया गया. बांकुड़ा के पुलिस अधीक्षक वैभव तिवारी समेत राज्य पुलिस के आला अधिकारियों ने वहां शहीद के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किये.

सैकड़ों लोग सीपीएम कांग्रेस गठबंधन में शामिल हुए

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (मालदा, मानिकचक): कुछ लोग फिर से वामपंथी कांग्रेस गठबंधन में शामिल हो गए। मालूम हो कि शनिवार की रात मानिकचक के इनायतपुर ग्राम पंचायत अंतर्गत शेखपुरा इलाके में सीपीआईएम कांग्रेस गठबंधन की ओर से सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस दिन, यह बताया गया है कि पिछले ग्राम पंचायत चुनाव के स्वतंत्र उम्मीदवारों सहित लगभग सैकड़ों लोग सीपीएम कांग्रेस गठबंधन में शामिल हुए। शामिल होने के कार्यक्रम में सीपीआईएम मजदूर संगठन के जिला सचिव देबज्योति सिन्हा, मानिकचक ब्लॉक राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मतीउर रहमान, कांग्रेस नेता मोअज्जम हुसैन समेत अन्य मौजूद थे. वाम कांग्रेस नेताओं का मानना है कि इस शामिल होने से शेखपुरा क्षेत्र में वाम कांग्रेस मजबूत हो गयी है.

इंटर एरिया एथलेटिक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (पांडवेश्वर): ईसीएल इंटर एरिया एथलेटिक टूर्नामेंट में पांडवेश्वर क्षेत्र को विजेता होने के बाद भाग लेने वाले कोलियरी खिलाड़ियों को सम्मानित करने का सिलसिला शुरु हो गया है, इसी क्रम में रविवार को खुटाडीह ओसीपी प्रबंधन ने अपने दो खिलाड़ियों की शानदार प्रदर्शन करने पर डीजीएम प्रभात कुमार और प्रबंधक संजय राय ने उपहार सामग्री और फूल का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया,

महिला श्रमिक सेताली मुर्मू और जयंतो घोष ने पांडवेश्वर क्षेत्रीय एथलेटिक टीम में भाग लेकर इंटर एरिया एथलेटिक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था,

ओसीपी के कार्मिक प्रबंधक पीके सरकार और सुरक्षा अधिकारी खनन एसके पाल ने भी दोनो श्रमिक खिलाड़ियों को बधाई दिया है.

बकरी द्वारा फसल खा लेने को लेकर दो पड़ोसियों के बीच हुए विवाद में तीन लोग घायल

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (मालदा, गाजोल): बताया जाता है कि जमीन में बकरी घुसने और सब्जी की फसल खाने को लेकर दो परिवारों के बीच हुई झड़प में तीन लोग घायल हो गये. सभी घायलों का इलाज पांडुआ ग्रामीण अस्पताल में चल रहा है. घटना पांडुआ क्षेत्र के कॉलोनी पारा इलाके में फैल गयी सभी घटनाओं के विवरण के साथ गाजोल पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज की गई है। घटना के बारे में पता चला है कि रीना मंडल अपनी जमीन में सब्जी की खेती करती थी, शिकायत है कि उस इलाके के एक व्यक्ति की बकरियां आए दिन जमीन में घुस जाती हैं और फसल को बर्बाद कर देती हैं बकरियों को ज़मीन से भगा दिया। और इसी बात को लेकर बकरी के मालिक रीना मंडल, उनके बेटे और दादी पर अचानक हमला कर दिया गया. बताया जाता है कि पिटाई से एक महिला गंभीर रूप से लहूलुहान हो गई. फिलहाल घायलों का पांडुआ अस्पताल में इलाज चल रहा है. प्रभावित महिला ने दोषियों को सजा दिलाने की मांग को लेकर प्रशासन से गुहार लगाई।

तृणमूल प्रत्याशियों के समर्थन में ममता बनर्जी ने मामला में रैली व जनसभा की

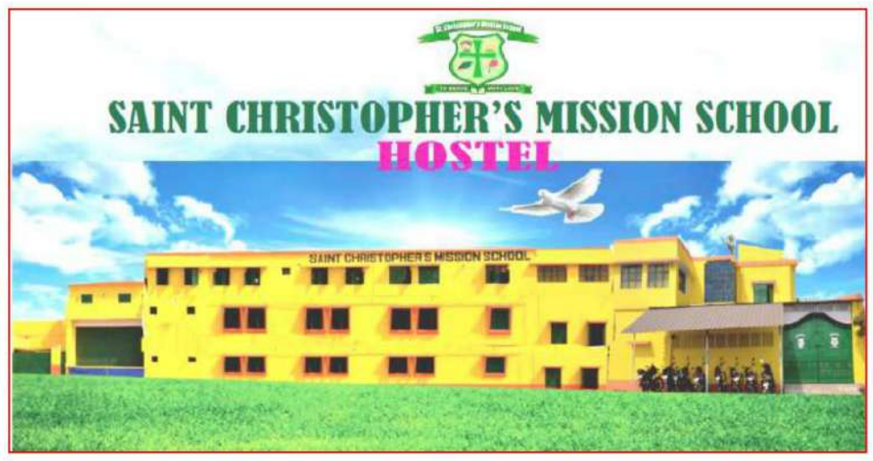

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (मालदा): आगामी 7 मई को लोकसभा चुनाव है. इसलिए एक इंच भी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं हैं विभिन्न राजनीतिक दल. रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दक्षिण मालदा केंद्र के तृणमूल प्रत्याशी शाहनवाज अली रैहान और उत्तर मालदा केंद्र के तृणमूल प्रत्याशी प्रसून बनर्जी के समर्थन में रैली की. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दक्षिण मालदा के कालियाचक किसान बाजार मैदान में रैली की. रैली के आसपास तृणमूल कार्यकर्ता समर्थकों में जोश और उत्साह देखा गया. राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंच पर भाषण देते हुए कई मुद्दों पर बीजेपी सरकार पर तंज कसा. वहीं, इस दिन ममता बनर्जी ने उत्तर मालदा के तृणमूल उम्मीदवार प्रसून बनर्जी के समर्थन में हबीबपुर में जनसभा की.

पानागढ़ लायंस क्लब की तरफ से सम्मानित हुए लायंस जिला गवर्नर डॉ एसके बासु एवं डॉक्टर चैताली बसु

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (रानीगंज): लायंस क्लब के जिलापाल डॉक्टर एस बासु के कार्यकाल में उनके जिला में जितने भी लायंस क्लब है सभी कल्बो द्वारा विकास के काफी कार्य हुए हैं। पानागढ़ लायंस क्लब की तरफ से डॉक्टर एस के बसु एवं उनकी धर्मपत्नी डॉक्टर चैताली बसु को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जिला गवर्नर के सालगिरह के अवसर पर लायंस सदस्यों ने बधाइयां दी एवं समारोह का आयोजन किया। लायंस भारत स्तर पर सफल सर्वश्रेष्ठ जिलापाल के रूप में डॉक्टर एस के बासु की पहचान हुई है।

जिलापाल डॉक्टर बासु ने बताया कि जिलापाल के कार्यकाल में अपने लायंस जिला में 88 क्लब से 102 क्लब कर दिए हैं, उन्होंने नए 14 क्लब उनके कार्यकाल में खोले गए हैं एवं पूरे जिला में सदस्यों की संख्या 3100 से बढ़कर 3700 की हो गई है। 600 की संख्या में नए सदस्य उनके जिला में नए जुड़े हैं। उनके कार्यकाल में जिला के सभी कल्बो में डायबिटीज़ एवं थैलेसीमिया को लेकर काफी काम हुए हैं। लोगों को इस बीमारी से बचने के लिए विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन किया गया है। कार्निया एवं रेटिना का अत्यधिक इलाज शुरू किया गया है। अपने क्षेत्र में 19 नेत्र अस्पताल है जहां उनके कार्यकाल में लोगों का निशुल्क ऑपरेशन किया जा रहा है इतना ही नहीं पहले जितना लोगों का ऑपरेशन होता था, उसकी संख्या दोगुनी प्रत्येक आई अस्पताल एवं सभी लाइंस कल्बो में हो गई है। आर्थिक रूप से असहाय लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था एवं उनके स्वास्थ्य की निशुल्क इलाज की व्यवस्था की जा रही है। दुर्गापुर में मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें दुर्गापुर मिशन हॉस्पिटल, हेल्थ वर्ल्ड एवं अन्य कई अस्पतालों के चिकित्सकों ने हिस्सा लिया था।

जिलापाल ने बताया कि हम लोग कम्युनिटी सर्विस पर विश्वास रखते हैं विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ के रूप में इस क्लब का नाम आता है पूरे भारतवर्ष में 40 हजार क्लब है। रानीगंज लायंस ऑई हॉस्पिटल को एडवांस पद्धति का केंद्र बनाया जा रहा है, जहां आंखों का जटिल से जटिल समस्या का भी समाधान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हम लोगों का गर्व है सरदार ए पी सिंह जो वर्ष 2025 में पूरे भारतवर्ष के प्रमुख पदाधिकारी की शपथ ग्रहण करेंगे। इसके अलावा हमें गर्व है बांकुरा लायंस क्लब के विष्णु बाजोरिया का जो की भूतपूर्व भारत के लायंस क्लब के डायरेक्टर रह चुके हैं। यह दोनों हमारे अभिभावक के रूप में हमेशा सहयोग करते हैं संस्था को और भी आगे ले जाने के लिए इनका काफी सहयोग हमें मिला है। उन्होंने बताया कि मेरे सफलता का श्रेय हमारे जिला के सभी सदस्यों का जाता है।

लोग असमंजस में है कि मिथुन चक्रवर्ती किस पार्टी से हैं या उनके विचारधारा क्या है- बाबुल

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (सलानपुर): टीएमसी विधायक और मंत्री बाबुल सुप्रियो ने सालानपुर इलाके में टीएमसी प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में एक रोड शो किया.

इस मौके पर बाराबनी के विधायक विधान उपाध्याय सहित इस क्षेत्र के तमाम टीएमसी कार्यकर्ता नेता उपस्थित थे।

मौके पर बाबुल सुप्रियो ने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती आज भाजपा प्रत्याशी के चुनाव प्रचार में आसनसोल आए हैं, लेकिन वह कभी भी एक गंभीर राजनेता नहीं रहे. उन्होंने कई पार्टियां बदली हैं, वह कभी वामपंथी थे, उसके बाद टीएमसी में गए, टीएमसी ने उन्हें राज्यसभा का सांसद बनाया, आज वह भाजपा के लिए प्रचार कर रहे हैं, इसलिए लोग भी इस असमंजस में है कि वह किस पार्टी में स्थाई रूप से हैं या उनके विचारधारा क्या है.

बाबुल ने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती के साथ उनकी जान पहचान काफी पुरानी है, मिथुन चक्रवर्ती उनकी मां और मौसी के साथ एक कॉलेज में पढ़ा करते थे, उन्होंने कहा कि एक कलाकार के तौर पर वह मिथुन चक्रवर्ती का बहुत सम्मान करते हैं, लेकिन राजनेता के रूप में लोग उनको नहीं स्वीकारते, आज मिथुन चक्रवर्ती ने टीएमसी नेता कुणाल घोष के संबंध में जिस भाषा का प्रयोग किया, वह उन जैसे एक वरिष्ठ कलाकार को शोभा नहीं देता, इसके साथ ही आज मिथुन चक्रवर्ती के रोड शो में उमड़ी भीड़ को लेकर बाबुल सुप्रियो ने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती एक सुपरस्टार है और लोग उनको देखना चाहते हैं.

कहा कि इससे पहले जब उन्होंने मिथुन चक्रवर्ती के साथ विभिन्न इलाकों में प्रचार किया था, तब वह देखते थे कि किस तरह से मिथुन चक्रवर्ती को देखने लोग आ रहे हैं, लेकिन जिन-जिन इलाकों में भी मिथुन चक्रवर्ती ने प्रचार किया वहां पार्टी की हार हुई थी.

तृणमूल कांग्रेस प्रत्यासी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में मजदूर संगठन एचएएमएस की सभा

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (पांडवेश्वर): पांडवेश्वर विधानसभा अंतर्गत बंकोला गुलमोहर क्लब में सीएमसी एचएमएस की ओर से सभा आयोजित की गई, इस में ईसीएल के विभिन्न क्षेत्र से एच.एम.एस के एरिया अध्यक्ष और सचिवों और कमेटी सदस्यों ने हिस्सा लिया, सभा मे एच.एम.एस की ओर से लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के आसनसोल से प्रार्थी शत्रुघ्न सिन्हा को समर्थन करने की घोषणा करते हुए अपने तमाम समर्थकों को तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा को वोट देकर भारी मतों से विजयी बनाने का अपील किया,

ईसीएल वेल्फेयर बोर्ड के सदस्य व जिला सह सभाधिपती विशुणदेव नोनिया ने कहा सीएमसी एचएमएस केवल आसनसोल के तृणमूल उम्मीदवार हीं नही जिन जिन लोकसभा क्षेत्र में एच.एम.एस के सदस्य हैं उन सभी से अपील करता हूं की वे तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों को अपना वोट दें,

इस सभा मे एच.एम.एस के उपाध्यक्ष प्रफुल्ल चटर्जी, ईसीएल वेलफेयर बोर्ड सदस्य विशुणदेव नोनिया, ईसीएल सेफ्टी कमेटी सदस्य सब्बे आलम, मिंटू बनर्जी, विजय यादव, मनोज नोनिया, इसके अलावे पांडवेश्वर विधानसभा के विधायक नरेन्द्रनाथ चक्रवर्ती, अलीपुरद्वार के नेता गंगा प्रसाद शर्मा, पांडेश्वर ब्लॉक सभापति किरिटी मुखर्जी, एच.एम.एस पांडवेश्वर ब्लॉक सह सभापति जलाधर हेमब्रम, छोरा ग्राम पंचायत के प्रधान राम चरित्र पासवान तथा सभी एच.एम.एस के सदस्य गण उपस्थित रहे.

सीपीआईएम उम्मीदवार कॉमरेड जहां आरा खान ने किया चुनाव प्रचार

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (आसनसोल): इंडिया गठबंधन से आसनसोल लोकसभा कांग्रेस समर्थित सीपीआईएम उम्मीदवार कॉमरेड जहां आरा खान का चुनाव प्रचार आरसीआई ब्लू फैक्ट्री मोड़ से, धड़का 'रुईदास पाड़ा, मजौरी, पचगछिया होते हुए हुये नौडीहा बाजार में खत्म हुआ. इस दौरान सीपीआईएम के साथ-साथ पश्चिम बर्धमान जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर, शाह आलम खान आसनसोल दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष, मानव रॉय आसनसोल उत्तर ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष, मो. सबीरुद्दीन राज्य अल्पसंख्यक सचिव, सीपीआईएम के पार्थ मुखर्जी, जॉयदीप चक्रवर्ती, अरुण पांडे, मिंटू देव, और बहुत सारे कांग्रेस और सीपीआईएम के कार्यकर्ता मौजुद रहे.

भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मिथुन चक्रवर्ती ने किया रोड शो

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (आसनसोल): भाजपा प्रत्याशी एसएस अहलूवालिया के समर्थन में मिथुन चक्रवर्ती ने आसनसोल में एक रोड शो किया. बुधा मैदान में मिथुन चक्रवर्ती हेलीकॉप्टर से उतरे, वहां पहले से ही प्रार्थी अहलूवालिया, राज्य नेता कृष्णेंदु मुखर्जी, बप्पा चटर्जी सहित पश्चिम बर्धमान जिले के तमाम भाजपा नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मिथुन चक्रवर्ती के हेलीकॉप्टर से उतरते ही वहां पर भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश देखने लायक था सभी ने गर्मजोशी के साथ मिथुन चक्रवर्ती का स्वागत किया.

इसके उपरांत वह सुरेंद्र सिंह अहलूवालिया के साथ एक वाहनमें चढ़कर और वहां से मोहिशीला के बटतला इलाके की तरफ उनका काफिला रवाना हो गया.

इसके साथ ढाकियों की टीम और भाजपा कार्यकर्ता थे। मिथुन चक्रवर्ती और एस एस आहलूवालिया वाहन में खड़े होकर एसबी गोराई रोड के दोनों तरफ खड़े आम जनता का अभिवादन स्वीकार किया.

न्यू केंद्र में तृणमूल प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में विशाल रैली निकाला गया

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (जामुड़िया): टीएमसी के न्यू केंद्र अंचल अध्यक्ष संदीप बनर्जी के नेतृत्व में एक विशाल रैली नकाली गई. रैली अंचल ऑफिस से शुरू होकर बाउरी पाड़ा होते हुए हॉट तल्ला से वापस अंचल ऑफिस के समीप आकर समाप्त हुई. इस रैली में तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों का हुजूम देखने को मिला. संदीप बनर्जी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आने वाले 13 मई को लोकसभा इलेक्शन है, इसमें तृणमूल प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा को भारी मतों से वोट देकर विजई बनाएं और साथ-साथ ममता बनर्जी के लाए गए स्कीमों के बारे में भी बात की और जनता से आग्रह किया कि ममता बनर्जी के हाथ को मजबूत करें और 13 मई को तृणमूल प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा को भारी मतों में वोट दे कर विजय बनाएं. इस मौके पर तृणमूल कांग्रेस के समर्थक उपस्थित थे.

खुटाडीह ओसीपी में युवा अधिकारी ने योगदान दिया

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (पांडवेश्वर): खुटाडीह ओसीपी में मैनेजमेंट ट्रेनिंग करने वाले युवा अधिकारी के रूप योगदान देने वाले जुमैदे प्रबुद्ध मोहन को डीजीएम प्रभात कुमार ने खुटाडीह ओसीपी में योगदान देने पर फूल का बुके देकर स्वागत किया और कहा की माइनिंग की ट्रेनिंग पूरी करके एमटी के रूप में योगदान देने पर खुटाडीह ओसीपी में आपका स्वागत हैं, युवा होने के साथ आपकी कार्य करने की जज्बा खुटाडीह ओसीपी के लिए फायदेमंद होगी, इस अवसर पर एसके पाल,पीके सरकार समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे, मैनेजमेंट ट्रेनिंग करने वाले युवा अधिकारी ईसीएल में अपनी योगदान दे रहे है और कुछ दिनों के बाद ईसीएल उनको अपना अधिकारी बनाकर प्रदर्शन के आधार पर पदौंती देगी.

भीषण गर्मी से मिलेगी लोगो को राहत, कुमफा ने की जल सेवा केंद्र का शुभारंभ

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (कुल्टी): क्षेत्र की प्रख्यात सामाजिक संस्था कुल्टी मदद फाउंडेशन द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए रविवार की सुबह कुल्टी स्टेशन मोड़ में जल सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। जल सेवा केंद्र का उद्घाटन कुल्टी के वरिष्ठ समाजसेवी नागरिकों द्वारा फीता काटकर एवम लोगो को शीतल जल के साथ चना, गुड़, बताशा एवम ककड़ी वितरण कर किया गया।

जल सेवा केंद्र का उद्घाटन सर्वप्रथम क्षेत्र के वरिष्ठ समाज सेवी डा ममता मिश्रा, परमेश्वर महतो, विजय सिंह, रामानंद कुमार, प्रशुन सरकार सहित युवा समाज सेवी सुभाष चौधरी ने जल सेवा केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर कुल्टी मदद फाउंडेशन के सदस्य रवि शंकर चौबे, किरण प्रसाद, रजनी माधोगड़िया, रिंकू चौबे, सहित महिला प्रशिक्षण केंद्र की शिक्षिका एवम छात्राओ के अलावा कन्या गुरुकुल की बालिका मौजूद थी।

कुल्टी मदद फाउंडेशन के संस्थापक रवि चौबे ने बताया कि कुल्टी स्टेशन मोड़ स्थित कुल्टी मदद फाउंडेशन कार्यालय के समीप विगत 14 वर्षो से नियमित रूप से जल सेवा केंद्र अप्रैल से जून तक चलाया जाता है।

जहाँ प्रति दिन मटका का शीतल जल के साथ चना के साथ गुड़ एवम बताशा की सेवा लोगो को दी जाती है। कुल्टी स्टेशन मोड़ में ट्रेन से उतरने वाले सैकड़ों रेलयात्री, स्टेशन मोड़ के आसपास से गुजरने वाले सैकड़ों रहगिरो को इसका लाभ प्राप्त होता है।

आज का राशिफल

29 अप्रैल 2024
सोमवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999
कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन अच्छा रहेगा। किसी बिजनेस की शुरुआत करेंगे जिसमे परिवार वालों का सहयोग मिलेगा। बच्चो में उत्साह देखने को मिलेगा। के पेंडिंग वर्क कम्पलीट होंगे। आवेश में आकर निर्णय ना ले।

वृषभ

दिन अनुकूल रहेगा। अनजान लोगो से आज आपको सावधान रहने की जरुरत है। माता-पिता के साथ आपके रिश्ते और मजबूत होंगे। धार्मिक कार्यक्रम होगा। स्वास्थ्य समस्या से राहत मिलेगी।

मिथुन

दिन खुशहाल रहेगा। नयी कार्य शुरू करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में बाहर जाना पड़ेगा। पिता जी कोई सरप्राइज मिलेगा। अपने व्यवहार में विनम्रता बनाये रखे।

कर्क

दिन लाभदायक रहेगा। दूर-दराज़ के लोगों से सम्पर्क बनाकर बिजनेस करना लाभकारी रहेगा। बिजनेस कर रहे लोगों को अधिक मुनाफा होगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे।

सिंह

दिन बढ़िया रहेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धि समस्या खत्म होगीं। खुद को ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करेंगे। बचपन के मित्र से मुलाकात होगी। आपके सहयोग से मित्र को आर्थिक लाभ होगा।

कन्या

दिन उत्साह से भरा रहेगा। खुद को आर्थिक तौर पर मजबूत करने की कोशिश में सफल रहेंगे। विरोधी आपकी कार्यशैली से प्रभावित हो सकते हैं। दूसरों के किसी मामलों में दखल देने से बचे।

तुला

दिन शानदार रहेगा। अधिक भागदौड़ वाला काम होने के बावजूद भी आप पॉजिटिव रहेंगे। सारे काम समय से पूरे हो जायेंगे। कई दिनों से रुका हुआ कार्य पूरा होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृश्चिक

दिन भाग्यशाली रहने वाला है। समाज सेवा करने का अवसर मिलेगा। मेहनत का अच्छा परिणाम आएगा। दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। सोची हुई कार्य को पूरा करने मे सफलता मिलेगी।

धनु

दिन खुशहाल रहेगा। फिजूल में अपना समय ना बिताएं। कार्यों को पूरा करने पर ध्यान लगायें। काम अधिक होने के कारण मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। कॉन्फिडेंस से भरे रहेगे।

मकर

दिन बेहद खुशनुमा रहेगा। कामकाज के मामले में आपकी प्रॉब्लम जल्दी ही सुलझ जायेगी। परिवार में चल रही अनबन सुलझ जाएगी। समाज में आपकी पहचान नए लोगों से होगी।

कुंभ

दिन मिला जुला रहेगा। छात्रों को नया प्रोजेक्ट मिलेगा। नव विवाहित दम्पति मे काफी प्रेम बढ़ेगा। कहीं बाहर घूमने जायेंगे जिससे मन फ्रेश होगा। अपनी बात कहने का मौका मिलेगा।

मीन

दिन ताजगी से भरा रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम मिलेगा। अपने साथियों के साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। जमींन जायदाद सम्बन्धी कानूनी फैसला आपके पक्ष में आएगा।

बूथ संख्या 124, 125 व 126 के पास से हटाया अतिक्रमण

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से लोकसभा चुनाव संपन्न कराने तथा बूथ के आसपास सुरक्षा के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर मतदान केंद्रों के पास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

इस कड़ी में रविवार को बरमसिया पुल के पास बूथ संख्या 124, 125 और 126 के आसपास अस्थाई अतिक्रमण को अंचल अधिकारी धनबाद सह एईआरओ शशिकांत सिंकर की देखरेख में हटाया गया।

अतिक्रमण हटाने के दौरान दंडाधिकारी और धनबाद थाना की पुलिस मौजूद थी।

इस संबंध में श्री सिंकर ने बताया कि मतदान केंद्र संख्या 124, 125 और 126 के आसपास अस्थाई संरचना बनाकर अतिक्रमण किया गया था।

जिसे आज हटाया गया है। लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण कराने के उद्देश्य से मतदान केंद्रों के आसपास किसी तरह का अस्थाई निर्माण वर्जित है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने नामांकन को लेकर किया मॉक ड्रिल

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): धनबाद लोकसभा सीट के लिए 29 अप्रैल से होने वाले नामांकन की तैयारी को लेकर आज दिनांक 28 अप्रैल 2024 को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार समाहरणालय में मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक श्री एच.पी.जनार्दनन मौजूद रहें।

मॉक ड्रिल के दौरान 100 मीटर की परिधि से लेकर नामांकन दाखिल तक की सभी गतिविधियों का सुचारू अभ्यास किया गया। डमी कैंडिडेट के रूप में नामांकन की प्रक्रिया भी कराई गई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रत्याशी के नाम निर्देशन पत्र हेतु एक प्रस्तावक होना चाहिए, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के लिए 10 प्रस्तावक होने चाहिए। आरओ कक्ष में केवल पांच लोग ही प्रवेश कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि सामान्य के लिए 25 हजार रुपये जमानत राशि चुनाव लड़ने के लिए सामान्य जाति के प्रत्याशियों को 25 हजार रुपये जमानत राशि तथा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए 12 हजार 500 रुपये निर्धारित की गई है। एक प्रत्याशी अधिकतम चार नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे लेकिन जमानत राशि प्रथम नामांकन पत्र के साथ ही जमा करनी होगी।

इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात सभी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस फ़ोर्स को ब्रीफ करते हुए कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ड्रॉप गेट पर अनुमंडल पदाधिकारी एवं धनबाद अंचलाधिकारी मजिस्ट्रेट पुलिस फ़ोर्स के साथ तैनात रहेंगे। नामांकन के दौरान उम्मीदवारों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में समर्थकों के आने पर रोक रहेगी। प्रत्याशी को लेकर कुल केवल पांच लोग ही अंदर जा सकेंगे। आरओ कक्ष के बाहर तोपचांची अंचलाधिकारी एवं एग्यारकुण्ड बीडीओ मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात रहेंगे।

साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन, अस्थाई शौचालय, पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी, बिजली, साफ-सफाई, पार्किंग, बैरिकेटिंग,यातायात की समुचित व्यवस्था समेत आदर्श आचार संहिता को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

वरीय पुलिस अधीक्षक ने अभ्यर्थियों के साथ आने वाली भीड़ को नियंत्रित करने एवं यातायात की समुचित व्यवस्था के साथ साथ सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

मौके पर सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, डायरेक्टर डीआरडीए राजीव रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद जिला, आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, एनडीसी दीपक दुबे, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहें।

टुंडी के पहाड़ के ऊपर बसा एक गांव, जहां आज तक एक भी शौचालय नही बना

एक डांडी जो दो सौ लोगो की प्यास बुझाती है

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): टुंडी/ मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर सुदूर पश्चिमी क्षेत्र में पहाड़ के ऊपर बसा है एक गांव जिसे भेलवाबेड़ा के नाम से जानते हैं। कोलहर डोमनपुर मुख्य पथ में बाघमारा से बाएं तरफ दिख रहा पहाड़ के ऊपर गांव बसा है। यहां लगभग एक किलोमीटर क्षेत्र में इधर उधर लगभग 45 घरों का यह गांव है,आबादी वहां के लोगो ने मिला जुलाकर 265 बताई। घर के पुरुष मजदूरी करने बाहर चले जाते हैं,महिलाए घर का काम काज सम्हालती है और घर की पूरी जिम्मेवारी भी उठाती है। जब वहां पहुंचे तो महिलाए एक साथ बैठकर कुछ चर्चा कर रही थी।इसी बीच उनको जोहार कर हाल चाल लेने लगा।

धीरे धीरे महिलाए परिचय जानने के बाद खुलकर बातें करने लगी क्योंकि वहां की एक बहु जो टुंडी के करमा टांड़ गांव की थी,उसने जब जाना की में टुंडी से हूं तो धीरे धीरे सभी महिलाएं खुलकर बात रखी। उनलोगो ने बतायायहां पानी की सबसे बड़ी समस्या है।पहाड़ के ऊपर पेय जल की समस्या आम बात है। रविंद्र मरांडी ने बताया यहां तीन चापानल हैं, दो तो पूरी तरह बंद है तीसरे की भी स्थिति बदतर है, एक बाल्टी पानी भी नहीं निकलता है। ले देकर बहुत पुराना एक डांडी है जिससे पूरे गांव की प्यास बुझती है। बमुश्किल 3 फीट पानी रहता है अगर वो भी साथ छोड़ा तो पता नहीं क्या होगा।सुंदरी देवी जो डांडी से पानी भर रही थी उसने कहा की पानी का व्यवस्था होना ही चाहिए।

इस गांव तक जाने का कोई रास्ता नही था, पहाड़ को जेसीबी से काट कर फिलहाल चलने लायक रास्ता बना दिया है। पूरे गांव तक पीसीसी रोड बनने की बात से ग्रामीण खुश हैं।

बसंती हेंब्रम मोबाइल में व्यस्त थी जब उससे पूछा गया की आपकी सबसे बड़ी समस्या क्या है तो उसने चौकाने वाली बात बताई।उसके अनुसार उसके गांव में अब तो रोड बन रहा है लेकिन जब वो शादी होकर यहां आई थी तो पैदल ससुराल आना पड़ा था, कोई रास्ता नही था। बसंती का नैहर टुंडी का करमा टांड़ है। अब रास्ता बन रहा है उसपर खुशी जाहिर की लेकिन उसने यह कहकर चौंका दिया की उसके इस गांव में एक भी शौचालय नहीं है। आज भी शौच के लिए बाहर जाना पड़ता है।

68 वर्षीय बुजुर्ग चूड़का हासदा ने अपना दर्द बयान करते हुए बताया की उसका बार बार फार्म भरा गया लेकिन आज तक न तो वृद्धा पेंशन ही मिला और न ही आवास योजना। उसका मिट्टी का घर पूरी तरह जर्जर है, धंसने के कगार पर है। दुख के साथ बताना पड़ रहा है की वह अकेले रहता है।

लोगो ने बताया वोट तो देबो लेकिन बड़ी दूर जाय पड़े हो। यहां के लोगो का मतदान केंद्र झिनाकी पंचायत भवन (पुराना) या फिर नारो पत्रोबाद पड़ता है। जिसकी दूरी दो से ढाई किलोमीटर है। प्रचंड गर्मी में इतना दूर जाकर शत प्रतिशत मतदान हो इसके लिए विशेष पहल की जरूरत है।

सैल के अंडरग्राउंड माइंस में पानी का रिसाव, 150 मजदूरों को निकाला गया बाहर, चासनाला खदान हादसे की यादें हुईं ताजा

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): कोयलांचल में सेल की भूमिगत खदानों से पानी का रिसाव हो रहा है. जिसके बाद करीब 150 मजदूरों को खदान से बाहर निकाला गया, काम पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, लोगों का कहना है कि पानी रिसाव ने चासनाला खदान हादसे की याद ताजा कर दी है, सेल कंपनी की जीतपुर कोलियरी के अंडरग्राउंड माइंस के सिम नंबर 14 में पिछले एक सप्ताह से पानी का रिसाव हो रहा है, जिसके कारण अनहोनी की आशंका से प्रबंधन ने काम पूरी तरह से बंद कर दिया है।

कर्मियों के अनुसार मंगलवार को पानी रिसाव की सूचना कर्मियों ने प्रबंधन को दी थी, पानी का रिसाव होने से हड़कंप मच गया, किसी अनहोनी की आशंका के चलते भूमिगत खदानों में काम कर रहे सभी 150 मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया, सेल प्रबंधन ने तुरंत इसकी सूचना डीजीएमएस और सीआईएफएआर को दी, जिसके बाद डीजीएमएस और सीआईएफएआर की टीम मौके पर पहुंची और खदानों के संबंध में कई जानकारी हासिल की, फिलहाल खदानों से कोयला खनन का काम बंद कर दिया गया है, आशंका है कि पास की टाटा कोलियरी के पिट नंबर 2 या 6/7 का पानी सेल की जीतपुर माइंस में लीक हो सकता है।

उसी खदान में काम करने वाले मजदूर गंगाधर महतो और विजय कुमार यादव ने बताया कि तीन-चार दिनों से पानी का रिसाव हो रहा था, मंगलवार को जब हम काम कर रहे थे तो पानी का रिसाव बढ़ गया, हमने सेल प्रबंधन को इसकी जानकारी दी, प्रबंधन की ओर से भी देखा गया कि पानी का रिसाव बढ़ गया है, फिर काम कर रहे सभी 150 मजदूरों को खदान से बाहर निकाला गया और खदानों से कोयला उत्खनन का काम पूरी तरह से बंद हो गया। उन्होंने बताया कि काम बंद होने से प्रतिदिन 300 से 400 टन कोयला उत्खनन प्रभावित हुआ है. वहीं कोलियरी में काम करने वाले करीब 500 ठेका मजदूरों पर भी रोजगार छिनने का खतरा मंडरा रहा है,

आपको बता दें कि धनबाद कोयला क्षेत्र में जलजमाव के कारण कई बड़ी खदान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, 27 दिसंबर 1975 को सेल की चासनाला भूमिगत खदान में जलजमाव के कारण 375 मजदूरों की जान चली गयी थी,

फरवरी 2001 में बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र की बागडिगी भूमिगत खदान में पानी भरने से 29 मजदूरों की मौत हो गयी थी, 26 सितंबर 1995 को बीसीसीएल ब्लॉक 4 के गजलीटांड़ कोलियरी के पिट नंबर 6 में एक बड़ी खदान दुर्घटना हुई थी, जिसमें 64 कार्यरत कोलकर्मियो की जिंदा जलसमाधि से मौत हो गई थी।

बुथ के बीएलए 2 की बैठक संपन्न

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर मनईटांड़ मंडल के शक्ति केंद्र 30A के सभी बुथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र के संयोजक, प्रभारी, सहसंयोजक, बुथ संख्या 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332 के बुथ अध्यक्ष, बुथ के सचिव, एवं बुथ के बीएलए 2 की बैठक संपन्न हुई जिसमें आगामी 30/4/2024 को बाघमारा के विधायक, भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के नोमनेशन एवं जनसभा की चर्चा की गई ज्यादा से ज्यादा संख्या उपस्थित हो इस पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश राही, मंडल अध्यक्ष मौसम सिंह, शक्ति केंद्र के प्रभारी एवं जिला मीडिया सह प्रभारी चंद्रशेखर मुन्ना, शक्ति केंद्र के संयोजक काशी दास, सोना रजक, शंकर चौहान आदि उपस्थित थे।

भाजपा प्रत्याशी धुल्लु जन आशीर्वाद यात्रा पर निकले

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): प्रत्याशी धुल्लु महतो झरिया विधानसभा अंतर्गत सहाना पहाड़ी पहुंचकर देवतुल्य ग्रामीणों का आशीर्वाद लिया और एक नुक्कड़ सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप ऐसे प्रत्याशी को वोट दे जो आपके हर सुख दुःख में खड़ा रहे जिसके दरवाजे सभी के लिए खुले हो जो आपको नाम से चेहरा से पहचानता हो दुःख की घड़ी में जो आपका फोन उठाता हो। मौके पर ग्रामीणों ने माननीय प्रत्याशी ढुल्लू महतो को माला पहनाकर सम्मानित किया और अपना जन समर्थन देते हुए भारी मतों से विजय बनाने का संकल्प लिया।

कांग्रेस उम्मीदवार अनुपमा सिंह के समर्थन में विचार विमर्श

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): झरिया नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रत्नेश यादव के नेतृत्व में वार्ड नंबर 44 के साउथ झरिया में धनबाद लोकसभा कांग्रेस के उम्मीदवार अनुपमा सिंह को जिताने और 1 तारीख को नामांकन में ज्यादा से ज्यादा लोगो को एकजुट करने पर विचार विमर्श हुआ। मुख्य रूप से प्रभारी केडी मिश्रा, अमर मिश्रा, महेश शर्मा, वीरेंद्र बहादुर सिंह, वार्ड नंबर 44 के वार्ड अध्यक्ष भारत यादव, ओबीसी के नगर अध्यक्ष दीपक यादव, भोलानाथ सिंह, बजरंगी सिंह, कुंदन मोदक, कृष्णा पटेल, भीम निशाद, दीपक शर्मा, अमन सिंह, नंदन पासवान, शुभम सिंह, अमित कुमार, निखिल ठाकुर, साथ ही दर्जनों लोग उपस्थित थे।

29 अप्रैल को कल्पना करेगी नामांकन, तत्पश्चात पेपरवाटाड मैदान में चुनावी सभा होगी

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): गिरिडीह/ गांडेय विधानसभा उपचुनाव की सीट के लिए सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन नामांकन-प्रपत्र भरेंगी।

जेएमएम के जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने रविवार को बताया कि कल्पना सोरेन के नामांकन दाखिल किये जाने के दौरान मुख्य मंत्री चंपई सोरेन, मंत्री बंसत सोरेन, बेबी देवी, राज्यसभा सांसद डा सरफराज अहमद, विधायक सुदिप्य कुमार, मथुरा महतो, माले विधायक विनोद सिंह, प्रदेश कांग्रेस के राजेश ठाकुर सहित अन्य इंडी गठबंधन के बड़े नेता मौजूद रहेंगे।

उन्होंने कहा कि नामजदगी का पर्चा भरने के पश्चात पेपरवाटाड मैदान में चुनावी सभा होगी। चुनावी सभा को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन सहित अन्य नेता संबोधित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि झारखंड विधानसभा की गांडेय सीट से निर्वाचित विधायक डॉ. सरफराज अहमद के त्यागपत्र के बाद 31 दिसंबर, 2023 से यह सीट रिक्त है।

अब निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद के हस्ताक्षर से निर्वाचन की अधिसूचना जारी कर दी गयी है।

भाजपा ने लोगों को ठगने का काम किया:- सीता राणा

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): धनबाद लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में वोट देने की अपील के साथ धनबाद जिला महिला कांग्रेस कमिटी की जिलाध्यक्ष सीता राणा ने रविवार को धनबाद और झरिया विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में जन संपर्क अभियान चलाया।

जन संपर्क अभियान के तहत धनसार में गीता सिंह, गंगा देवी, सविता देवी, सरस्वती देवी, मीना देवी, मुस्कान सिंह, खरीकाबाद में कारो देवी, विमला देवी, शांति देवी, कारकेंद्र स्टेशन के पास साबो देवी, किरण देवी, प्रमिला देवी, सुमित्रा देवी, बोरारगढ़ में फुलकुमारी देवी, सविता देवी, सुनैना देवी, संगीता देवी, कलावती देवी, शाहिना बानो, सविता कोड़ा, जानकी देवी, कलावती देवी, उकैया बीबी, फूलो देवी, नीतू देवी आदि शामिल थी।

धनबाद जिला महिला कांग्रेस कमिटी की जिलाध्यक्ष सीता राणा ने मौके पर कहा कि भाजपा ने विभिन्न योजनाओं के नाम पर लोगों को ठगने का काम किया है। भाजपा सरकार की योजना सिर्फ विज्ञापनों तक सीमित रही है। जन संपर्क अभियान के तहत लोगों से मिलने पर असली सच्चाई सामने आ रही है। जब लोगों ने बताया कि उन्हे सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला। शौचालय योजना, आवास योजना, राशन कार्ड जैसी योजना से भी लोग वंचित हैं।

सीता राणा ने कहा कि भाजपा आज मोदी की गारंटी दे रही है जबकि सच्चाई यह है कि योजना का लाभ गरीबों, पिछड़ों तक पहुंचा ही नही। योजना का लाभ लेने के लिए गरीब पिछड़े वर्ग के लोग आज भी भटक रहे हैं।

सीता राणा ने आगे कहा कि कांग्रेस के पांच न्याय के तहत गरीबों और पिछड़ों को उनका हक दिया जायेगा। साथ ही महिलाओं को चाहे वह किसी भी वर्ग से हो को आर्थिक रूप से संबल प्रदान किया जायेगा। महिला सशक्तिकरण को लेकर स्वयं सहायता समूह को आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सीता राणा ने अपील किया कि कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह को वोट देकर विजई बनाए ताकि धनबाद क्षेत्र में योजनाओं का लाभ गरीबों पिछड़ों वंचितों को मिल सके और उनके साथ न्याय हो सके।

पेयजल को ले आर-पार की होगी लड़ाई:- देबू महतो

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): धनबाद वार्ड ने २५ के जे सी मल्लिक रोड स्थित आर एन महतो लेन, तेलीपाडा, पाल नगर, मांझी थान गली, शिमलडीह इत्यादि क्षेत्र में पानी की घोर किल्लत विगत माह से झेल रहे मुहल्ले वासियों का आज धैर्य टुटता हुआ नजर आया PHED के कार्यकारी अधिकारी से मिलकर अपने क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति के सबंध में बाते को रखकर २४ घंटे की अल्टीमेटम दे डाली इसके बाद धनबाद गोबिन्दपुर मुख्य पथ को अनिश्चित कालिन के लिए जाम करने की निर्णय ले लिया है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल झामुमो वरीय नेता देबू महतो ने बताया कि जिला, नगर प्रशासन तथा संबधित वरीय व कनिय पदाधिकारी को सुचना के उपरांत भी २४ घंटे मे समस्या का समाधान नही होता है तो मुहल्ले वासियों की ओर से जो भी निर्णय होगा उसे शांति रुप से आन्दोलन किया जाएगा। ज्ञात हो कि उक्त संदर्भ में कई बार पत्राचार व प्रदर्शन कर चुके हैं अब पानी के लिए त्राहिमाम से निकलने के लिए आर-पार की लडाई लडी जाएगी। मौके पर राजेन्द्र सिह श्यामल दत्ता, सुजीत मुखर्जी कल्याण भट्टाचार्य स्वदेश भट्टाचार्य देवाशीश राय मोहित पांडे कल्याण राय कालो साव अरबिन्द झा राजु साव राजु मोदक उत्तम मोदक एवं अन्य लोग मौजूद थे।

30 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू, तो कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा 01 मई को करेंगी नामांकन

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो 30 अप्रैल को उपायुक्त कार्यालय में नामांकन करेंगे। इसके ठीक दूसरे दिन मजदूर दिवस के दिन 01 मई को कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह यहां नामांकन करेंगी। दोनो ही पार्टी जुलूस के साथ धनबाद में नामांकन करने पहुंचेगी वही गोल्फ ग्राउंड में जनसभा करने की तैयारी है,

एक तरफ धनबाद लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो व कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह नामांकन दाखिल करने के बहाने अपनी शक्ति प्रदर्शन करेंगे। दोनों के नामांकन में उनकी पार्टियों के स्टार प्रचारक व दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे,

भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू के नामांकन में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी मुख्य रूप से शामिल होंगे। इस सभा में पूरे लोकसभा क्षेत्र के हजारों समर्थक शामिल होंगे।

वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के नामांकन के बाद वह गोल्फ ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करेंगी। इस जनसभा को उनके पति व बेरमो के विधायक कुमार जयमंगल सिंह समेत प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ,प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी कल्पना सोरेन समेत इंडिया गठबंधन के कई दिग्गज नेता संबोधित करेंगे। इस सभा में कांग्रेस व इंटक के हजारों समर्थक शामिल होंगे।

धनबाद लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो हैं तो कांग्रेस से अनुपमा सिंह चुनाव लड़ रही है. अनुपमा सिंह सवर्ण राजपूत जाति से आती है तो ढुल्लू महतो तेली समाज (ओबीसी) से आते है. धनबाद संसदीय क्षेत्र में अब तक सवर्ण जातियों का दबा रहा है लेकिन इस बार भाजपा ने ओबीसी कार्ड खेलते हुए बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो को उम्मीदवार बनाया है. धनबाद लोकसभा क्षेत्र में शहरी (किसी भी केटेगरी के) वोटर निर्णायक फैक्टर होते है. वैसे यहां निरसा , सिंदरी और चंदनकियारी में ग्रामीण वोटर भी कम नहीं है. 2019 के लोकसभा चुनाव में धनबाद विधानसभा में 55.3% वोटिंग हुई थी, जबकि झरिया में 50. 4% मत पड़े थे. इसी प्रकार बोकारो में 53.3 प्रतिशत मत पड़े थे, जबकि चंदन कियारी विधानसभा क्षेत्र में 73.73 प्रतिशत, निरसा विधानसभा क्षेत्र में 67.79 प्रतिशत और सिंदरी विधानसभा क्षेत्र में 71.49 प्रतिशत वोट पड़े थे. वैसे धनबाद लोकसभा क्षेत्र में कुल 60.37 प्रतिशत वोटिंग हुई थी. धनबाद लोकसभा क्षेत्र में आते हैं झरिया, चंदन कियारी, निरसा,धनबाद,बोकारो और सिंदरी. निरसा,सिंदरी और चंदन कियारी ग्रामीण क्षेत्र में चिन्हित है,

1971 के बाद धनबाद लोकसभा क्षेत्र से जितने भी उम्मीदवार विजय हुए हैं सभी सवर्ण जाति से आते है. राम नारायण शर्मा हो, शंकर दयाल सिंह हो, एके राय हो, रीता वर्मा हो, ददई दुबे हो या पशुपतिनाथ सिंह हो सभी चुने गए 10 सांसद सवर्ण वर्ग से रहें हैं लेकिन इस बार भाजपा ने ओबीसी कार्ड खेला है और ढुल्लू महतो को उम्मीदवार बनाया है. यह अलग बात है कि धनबाद लोकसभा क्षेत्र में शहरी वोटर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है.जबकि ग्रामीण वोटर यहां बड़ी संख्या में है. भाजपा प्रत्याशी भी कोयला मजदूर संगठन एटक से जुड़े हुए हैं तो कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पति अनूप सिंह भी कोयला मजदूर संगठन इंटक से जुड़े हुए है. कोल इंडिया की इकाई बीसीसीएल और सीसीएल की कोलियरियों में दोनों की जबरदस्त पकड़ है. ऐसे में बिहारी, बंगाली, गुजराती, माड़वाड़ी और बिहार के जमाने से पीछले 50 वर्षो में बाहर से आ कर धनबाद में बसे शहरी मतदाता किस ओर झुकेंगे, इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा. यह अलग बात है कि धनबाद लोकसभा क्षेत्र में कोयला मजदूरों की भी भूमिका होती है. कोयला मजदूर अगर एक तरफा किसी के तरफ चले जाएं तो जीत हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीयकरण के बाद कोयला मजदूरों की संख्या में लगातार कमी होती आई है. मजदूर संगठन भी अब इतने ताकतवर नहीं रह गए है. वैसे ,1971 और 1977 में धनबाद लोकसभा में जिस ढंग का चुनाव प्रचार हुआ, वह इतिहास बन गया. ऐसा उसके बाद कभी नहीं हुआ और आगे भी होने की संभावना बिल्कुल नहीं है, अब तो सब कुछ बदल गया है, 1971 में जहां एक निर्दलीय प्रत्याशी ने धनबल का उपयोग किया, वही 1977 के चुनाव में धन बल गौण हो गया, उसका कोई महत्व ही नहीं रह गया, जेल में बंद एके राय चुनाव जीत गए, 1971 और 1977 का चुनाव आज भी लोगों को रोमांचित करता है।

दीवान प्लेस में प्रीति भोज में जमकर हंगामा, उपद्रवियों ने पथराव किया

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): बाघमारा थाना क्षेत्र के हरिणा दिवान प्लेस में बाघमारा का प्रीति भोज में जमकर हंगामा, मोके पर पुलिस पहुच कर भीड़ को नियंत्रण किया।एक पंचायत जनप्रतिनिधि के साथ भी बकझक हुई। बताया जा रहा है कि दिवान प्लेस में सड़क पर उपद्रवियों द्वारा वाहन को तिरछी खड़ी करने को लेकर बाघमारा और उपद्रवियों के बीच बकझक के बाद मारपीट, तथा पथराव कर दिया। देखते ही देखते बाघमारा के दर्जनों लोगों ने हंगामा करते हुए उपद्रवियों को दूर तक खदेड़ दिया। बाघमारा पुलिस मौके पर पहुच कर बाघमारा के लोगो को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। इधर कुछ लोगो ने एक पंचायत प्रतिनिधि के साथ भी उपद्रवियों को भगाने आरोप लगाते हुए धक्का मुक्की की।

कई बार फ्लॉप हो चुकी है 'दो लड़कों की जोड़ी'

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल 2024: हाल ही में राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर हमला करते हुए प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि दो लड़कों की जोड़ी... जो कई बार फ्लॉप हो चुकी है, आप उनसे विकास की कोई उम्मीद नहीं कर सकते हैं। उन्होंने यह बात राहुल गांधी और अखिलेश यादव की बढ़ती नजदीकियों पर तंज कसते हुए कही और इस बात को उन्होंने अपनी कई जनसभाओं में दोहराया भी । यह पहली बार नहीं है जब यह जोड़ी बनी है और बुरी तरह फ्लॉप हो चुकी है ।

इस जोड़ी का इतिहास खंगाले तो चूँकि केंद्र की सत्ता पर काबिज होने का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है इसलिए देश के सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाले इस राज्य में सभी राजनीतिक दल जीत हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में जुट गये हैं। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्मे और विभिन्न विकास परियोजनाओं के सहारे सभी सीटों पर जीत का दावा कर रही है, वहीं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को भी राज्य में सम्मानजनक लड़ाई लड़ने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के साथ-साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 'इंडिया' गठबंधन के तहत चुनाव मैदान में है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के सभी सात चरणों के तहत मतदान होगा, जो 19 अप्रैल से शुरू होकर एक जून को समाप्त हो रहा है।

2019 के आम चुनाव में राज्य की 80 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने 62 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल अपना दल (सोनेलाल) दो सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहा था।

वहीं कांग्रेस एकमात्र रायबरेली सीट पर जीत हासिल करने में सफल हुई थी, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 10, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) ने पांच सीटों पर जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) 2019 आम चुनाव में खाता भी नहीं खोल सकी थी।

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को राज्य से अधिक उम्मीदें हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बार भी वाराणसी से चुनाव मैदान में हैं, जहां काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास के क्षेत्र का पुनर्निर्माण सहित कई विकास परियोजनाएं शुरू की गयी हैं।

भाजपा सूबे में मोदी की लोकप्रियता और हिंदुत्व के मुद्दे को भुनाने की तैयारी में है साथ ही राज्य के छोटे दलों के समर्थन से भी पार्टी को मजबूती मिल रही है। ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की राजग में वापसी से भाजपा को पूर्वांचल क्षेत्र में मजबूती मिली है।

राजभर को हाल ही में योगी आदित्यनाथ नेतृत्व की सरकार में मंत्री पद की शपथ दिलाई गयी। इसी तरह, रालोद के नेता जयंत चौधरी के समाजवादी पार्टी को छोड़कर भाजपा के साथ गठबंधन करने के कदम से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राजग का काम आसान होने की उम्मीद है, जहां जाटों और कृषक समुदाय का वर्चस्व है। जयंत चौधरी के दादा और किसान नेता पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न की हालिया घोषणा ने स्पष्ट रूप से इस समीकरण को और मजबूती प्रदान की है।

वहीं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' भी राज्य में अपनी खोई जमान बनाने में जुटा है। सपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौर के बाद आखिरकार दोनों दलों के बीच सीट-बंटवारे पर समझौता हो गया, जिससे 'उप्र के लड़कों' की पुरानी यादें ताजा हो गईं। राज्य में 2017 विधानसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच गठबंधन के बाद 'उप्र के दो लड़कों' की यह जोड़ी प्रसिद्ध हुई थी हालांकि चुनाव परिणामों में गठबंधन को मुंह की खानी पड़ी थी।

हालांकि उत्तर प्रदेशमें हालिया राज्यसभा चुनावों से संकेत मिला कि सपा के भीतर अभी भी सब कुछ ठीक नहीं है। सपा के आठ से अधिक विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा के लिए 'क्रॉस वोटिंग' की थी, जिनमें पार्टी के मुख्य सचेतक मनोज पांडेय भी शामिल थे। कुछ राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पांडेय को अब रायबरेली से भाजपा का टिकट मिल सकता है, जो लंबे समय से कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का गढ़ रहा है। सोनिया के चुनाव न लड़ने के बाद कांग्रेस खेमा चाहता है कि प्रियंका गांधी वाद्रा रायबरेली से चुनाव लड़ें।

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए एक नया नारा 'पीडीए' दिया है, जिसका मतलब पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन तीनों वर्गों के बड़ी संख्या में मतदाता हैं। वहीं मायावती ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी किसी भी दल के साथ सीट बंटवारे पर समझौता नहीं करेंगी।

भाजपा ने पिछले कुछ महीनों में विशेष रूप से 'पिछड़े' पसमांदा मुसलमानों को लक्षित करते हुए अल्पसंख्यकों तक पहुंच बनाने के प्रयास किए हैं। मोदी सरकार में तीन तलाक उन्मूलन को भी मुस्लिम महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने के प्रयास के रूप में पेश किया गया है। हालांकि अब तक भाजपा द्वारा घोषित 51 उम्मीदवारों की पहली सूची में किसी मुस्लिम उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की गयी है।

भाजपा की सूची में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा प्रमुख उम्मीदवारों में लखनऊ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अमेठी से स्मृति ईरानी, मथुरा से हेमा मालिनी और खीरी से अजय मिश्र 'टेनी' शामिल हैं। वहीं कांग्रेस ने अभी तक अपने हिस्से की 17 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) एक लोकसभा सीट पर चुनाव मैदान में है। वहीं सपा 43 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतार चुकी है व कमी लगी तो खुद भी चिनावी मैदान में उम्मीदवार के रूप कूद पड़े है।

अशोक भाटिया
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक एवं टिप्पणीकार
वसई पूर्व (मुंबई)

मासूम परिंदों की प्यासी पुकार सुनिए, एक बर्तन पानी का भरकर रखिये

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल 2024: इतनी भयंकर गर्मी में जहां हम इंसानों के लिया घर से बाहर निकलना तक मुश्किल हो जाता है वहां सोचिए जरा यह परिंदे कैसे धूप में सरवाइव करते होंगे। इसलिए हमारा फर्ज बनता है कि हम पक्षियों की मदद करें और उनके लिए ज्यादा नहीं तो छत पर छांव करके लोटा भर पानी रखे। जिसकी जैसी सोच वो वैसी कहानी रखता है, कोई परिंदो के लिए बंदूक, तो कोई परिंदो के लिए पानी रखता है।

एसके अब्दुल जावेद, (आद्रा, पश्चिम बंगाल)

पर्फ़ेक्शन के चक्कर में कहीं स्वयं को अन्याय नहीं कर रहे न

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल 2024: "अति सर्वत्र वर्जयेत" इस कथन को समझकर अपनी आदत में सुधार करना अति आवश्यक होता है। क्योंकि अति का परिणाम हंमेशा हानिकारक होता है। फिर चाहे वो आदत हो या कुछ और। कहने का तात्पर्य यह है कि हर चीज़ में परफ़ेक्शन की चाह इंसान को आहिस्ता-आहिस्ता नैराश्य की गर्ता में धकेल देती है। जब अपने हिसाब से कोई काम नहीं होता तब दिमाग में गुस्से का बवंडर उठता है और जब तक वो काम पूर्णतया सही नहीं होता दिमाग वहीं पर अटका रहता है। दरअसल पर्फ़ेक्शनिज़्म या पूर्णतावाद जैसी कोई चीज़ दुनिया में होती ही नहीं है। हरेक में कहीं न कहीं कोई न कोई कमी ज़रूर होती है।

कुछ औरतों को परफ़ेक्शन का कीड़ा काट लेता है। पहली बात तो उनको लगता है कि पूरी दुनिया का जिम्मा उनके कँधों पर लदा है। बात-बात पर सबको हर काम ढंग से करने की सलाह देना, परिवार में हर एक सदस्य की जरूरतों के बारे में बार-बार पूछना, किसी की हल्की सी गलती पर टोकना और सबसे अहम बात ऐसी औरतों को लगता है जैसे वो हर काम में खुद परफ़ेक्ट है वैसे ही सामने वाले को भी होना चाहिए। इसी चक्कर में सबकी नाराज़गी का भोग तो बनती ही है उपर से अपनी ज़िंदगी की तरफ़ उतना ध्यान नहीं दे पाती जितना सबका ध्यान रखने की कोशिश करती है। और जब सब अपने मन का नहीं होता तब उनको चिड़चिड़ापन और अवसाद घेर लेता है। बात-बात पर बिफर पड़ना और गुस्सा करना आख़िरकार सेहत को तितर-बितर कर देता है।

हर काम में पर्फ़ेक्शन की चाह रखना बुरा नहीं। लेकिन जब पर्फ़ेक्शन आपकी लत बन जाती है तो आपको कई तरह से परेशान करती है और मानसिक रोगों की चपेट में भी ला सकती है।

ऐसी औरतों को सबको खुश रखने का और सबकी नज़र में महान बनने का शौक़ होता है। ऐसा क्या करूं कि सब मेरे काम से खुश रहें। अरे.. समय पर ये नहीं किया तो कहीं सास बुरा न मान जाएं, अरे.. पति की पसंद का खाना नहीं बना तो कहीं नाराज़ न हो जाए, अरे.. बच्चों की सेहत के लिए तीन टाइम हेल्दी खाना नहीं बनाऊँगी तो उनकी तबियत खराब हो जाएगी, ऐसी तो कितनी लंबी लिस्ट है जिनको लेकर कुछ महिलाएं स्ट्रेस का भोग बन जाती है। No doubt आप पर ही सबकी जिम्मेदारी है और आपको ही सब करना है। लेकिन ननक्या इन सारी चीज़ों में अपने लिए भी कोई प्रोग्राम बनाया है कभी? कि हा मुझे अपने लिए ये करना है, वो करना है?

पहली बात तो यह समझ लेना जरूरी है कि हर कोई आपके हिसाब से नहीं चलने वाला। सबकी क्षमता एक सी नहीं होती, न हीं आपकी तरह कोई बनने वाला और हर काम आपके बनाए नियमों के आधिन नहीं होने वाले। जीवन परिस्थितियां और समय के हिसाब से चलता है, न कि किसी के चलाने से। हर काम में हर कोई परफ़ेक्ट नहीं होता सबका काम करने का तरीका, मूड़, क्षमता और समय पर डिपेंड करता है। हम किसी के उपर कोई दबाव नहीं लाद सकते, न अपने तौर-तरीके थोप सकते है; इसलिए बेहतर होगा अनावश्यक किसी के उपर परफ़ेक्शन का ज़ोर डालकर अपनी सेहत की ऐसी-तैसी मत करिए। अपना दिमाग ठंडा रखकर दूसरों को भी अपने हिसाब से जीने देने में ही समझदारी है।

माना कि परफ़ेक्शन इंसान को ग़लती करने से रोकता है। लेकिन जब तक आप गलती नहीं करते आप में सुधार नहीं होता। दर असल ज़िंदगी के तजुर्बे बताते हैं कि गलती करने पर ही एहसास होता है कि कमी कहां है। हरेक गलती इंसान में पर्फेक्शनिज़्म लाती है।

जो लोग हर काम में सिर्फ़ पर्फ़ेक्शन की चाह रखते हैं और इससे कम की स्थिति को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं रहते हैं, उनके अंदर असंतोष की भावना पनपने लगती है। इसका दुष्प्रभाव यह होता है कि व्यक्ति हर समय चिड़चिड़ा रहने लगता है क्योंकि उसे अपने अंदर एक अधूरापन महसूस होता है। परफेक्शन की चाह में व्यक्ति अक्सर ऐसे लक्ष्य निर्धारित कर लेता है, जिन्हें सामान्य स्थिति में प्राप्त करना असंभव होता है। इस कारण व्यक्ति के अंदर आत्मसंतोष की भावना धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। खुशी के अभाव और अपेक्षाओं के बोझ के कारण व्यक्ति हर समय खुद को थका हुआ और ऊर्जाहीन महसूस करने लगता है। इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि आप पर्फ़ेक्शन की चाह करना ही छोड़ दें और काम में लापरवाही बरतें। लेकिन इस बात का ध्यान जरूर रखें कि अतिशयोक्ति हर चीज़ में बुरी होती है।

पर्फ़ेक्शनिज़्म के लिए सबसे ज़्यादा ज़रूरी है दिमाग़ी सुकून। परफेक्ट बनने के लिए ख़ुद को ये समझाना बहुत ज़रूरी है कि गलती कभी भी किसी से भी हो सकती है। हर कोई अपनी क्षमता और योग्यता के हिसाब से काम करता है। दूसरों की ग़लतिया माफ़ करना सीखें। अगर आप से भी कोई काम बिगड़ जाता है तो फ़स्ट्रेट होने की बजाय अपनी ग़लतिया सुधार कर फिर से उसी लगन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करें। वरना कहीं परफ़ेक्ट बनने के चक्कर में आप स्वयं के साथ अन्याय तो नहीं कर रही न?

भावना ठाकर 'भावु'
बेंगलोर

युवा तय करेंगे किसकी सरकार होगी

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल 2024: जैसे-जैसे 2024 का लोकसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे है, पूरे देश में उत्साह और जिम्मेदारी की लहर दौड़ रही है, खासकर पहली बार मतदान में भाग लेने वाले मतदाताओं में। युवा वर्ग ही देश में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने और भारत के भविष्य को संवारने की ताकत रखते है। साथ ही, वोट डालना सिर्फ एक अधिकार या कर्तव्य नहीं है बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत में पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं को इस लोकसभा चुनाव में सबसे सार्थक और जानकारीपूर्ण भागीदारी के लिए आवश्यक युक्तियों के साथ सही चुनाव और सशक्त सरकार बनाने के लिए तत्पर रहना होगा।

इस समय देश के चुनावी महायज्ञ की फिज़ा में आहुति देने के लिए युवा जोश से भरे होने चाहिए। युवाओं के लिए वोट डालना जिम्मेदारी ही नहीं समझदारी भी है। वोटों के माध्यम से जो शक्ति का प्रयोग वे कर सकते हैं उससे सही चुनाव होकर गतिशील राजनीति में गुणात्मक सुधार संभव है। राजनीतिक दलों को अपनी नीतियों, योजनाओं और राजनेताओं के दमखम का भी एहसास होगा कि वह कितने पानी में है? इस वक्त देश को अच्छी प्रतिष्ठा वाले होनहार नेताओं की आवश्यकता है। विकास के पथ पर चलते हुए विकसित राष्ट्र का दिवास्वप्न जो साकार करना है, उसके लिए नई विचारधारा को आगे बढ़ाया जाना अत्यावश्यक है। इसलिए युवाओं को आव्हान किया जाना जरूरी है कि वे मतदान में अधिक से अधिक हिस्सा लेकर अपनी महत्वपूर्ण एवं कारगर भूमिका का परिचय दें।

हम सभी जानते हैं कि हमारी जिंदगी के हर पहलू सरकारी नियमों कानून और प्रशासनिक गतिविधियों के माध्यम से चलते हैं। इस नाते देश में यदि जनता के हितकारी सरकार शासन करती है तो हमारी जीवन शैली, व्यापार और पेशेवर मामले चलाने में आसानी होगी। सरकारी महकमें और चुनाव आयोग के द्वारा इस बात का पूर्ण प्रयास किया जाता है कि देश का हर नागरिक अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। हमारे देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में युवा समुदाय बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अपने दायित्व निभाने में सफल होते हैं तो देश की प्रगति दिन दुगनी रात चौगुनी हो सकती है।

जब युवा वर्ग अपने मतदान के उत्तरदायित्व को निभाता है तो वह देश से जुड़ी किसी भी समस्या पर टिप्पणी करने का हक पता है। नैतिक रूप से वह विभिन्न दृष्टिकोणों के प्रति खुले रहकर अपने मित्रों, परिवार और समुदाय के सदस्यों के साथ सम्मानपूर्वक राजनीति पर चर्चा कर सकता है। युवाओं की इच्छा शक्ति सरकार बनाने के बाद राजनीतिक दलों को उनके मेनिफेस्टो में किए गए वादों को पूरा करने का जिम्मा संभाल सकते है।

लोकतंत्र का महापर्व आ चुका है, जिसकी शुरुआत 19 अप्रैल को प्रथम चरण के मतदान के साथ हो गई है। भारतीय चुनाव आयोग ने बताया है कि करीब 97 करोड़ भारतीय आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए पात्र हो जाएंगे और वे अपना मत डाल सकेंगे। उनके अनुसार 18 से 29 वर्ष की आयु के दो करोड़ से अधिक युवा मतदाताओं को इस बार सूची में जोड़ा गया है। पिछले लोकसभा चुनाव (2019) से पंजीकृत मतदाताओं की तुलना में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड होगा, जब इतनी तादाद में लोग मतदान करेंगे। इसके अलावा लिंग अनुपात 2023 में 940 से बढ़कर 2024 में 948 हो गया है।

2024 के लोकसभा चुनाव में पहली बार वोट करने वालों की भूमिका बेहद अहम है। प्रत्येक वोट महत्वपूर्ण है और राष्ट्र के कल्याण में योगदान देता है। चुनावी प्रक्रिया को समझकर, उम्मीदवारों पर शोध करके, सूचित रहकर और दूसरों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके, पहली बार मतदाता भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में सक्रिय रूप से योगदान दे सकते हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करें कि आप विश्वास के साथ अपना मतदान करने के लिए सही जानकारी के साथ पूरी तरह तैयार हैं।

वैसे युवाओं के प्रतिशत के आधार पर वोटों का गणित और आकलन बताता है कि सरकार का बनाना उन्हीं पर निर्भर करता है। यह निश्चित है कि विभिन्न राजनीतिक दल युवाओं को साधने के प्रयास करेंगे। इस वक्त बेरोजगारी का मुद्दा तूल पकड़ सकता है, परंतु युवाओं को रोजगार से बड़ी आवश्यकता इस समय देश के विश्व परिदृश्य में तरक्की के मुद्दे की है। इस समय सभी का ध्यान विदेश और रक्षा नीति के साथ आर्थिक संतुलन और सुदृढ़ता पर लगा हुआ है। विगत चुनाव में जहां कम अंतर से जीत या हार तय हुई थी वहां के युवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यंभवी है। ऐसे में विकसित भारत की संकल्पित यात्रा और गारंटी सक्सेस के फार्मूले के आधार पर विकास की गति और दिशा होगी। वैसे इस वक्त विगत जमाने की मुसीबतों से उभरकर विज्ञान व तकनीकी ज्ञान पर आधारित जीवन शैली के बारे में भी गंभीर रूप से विचार और कार्य किया जा रहा है। युवा वर्ग उत्प्रेरक की भूमिका में देश को नए आयाम देने का कार्य सिद्धता के साथ कर भी रही है। इस नियामक सारगर्भित परिणामों के लिए युवा शक्ति ग्यारंटेड पैमाना सबित होगी।

डॉ. मनीष दवे
महालक्ष्मी नगर, इंदौर

कुछ समय बाद जेब में पैसा नही दिखेगा

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल 2024: जैसे-जैसे सोशल मीडिया का दौड़ बढ़ रहा है, वैसे -वैसे ही जेब में पैसा दिखना बहुत मुश्किल हो गया है। अब उन्ही के हाथो या जेब में पैसा दिखता है, जिनके पास फोन नहीं हो या फिर यूपीआई इस्तेमाल नही करते हो। जो भी लोग यूपीआई इस्तेमाल करते हैं उनमें से अधिकतर के पास पैसे कभी रहते ही नहीं है। वो भी निश्चिंत रहते हैं क्योंकि उनके पास यूपीआई है। आज यूपीआई पर आधारित एक सच्ची घटना आप सभी पाठकों के लिए 26 अप्रैल की बात है लेखिका किसी काम के कारण थोड़े गाँव जैसे जगह पर गई थी। रास्ता है तो सीधी सी बात है दिन भर गाड़ी आती जाती रहती है। दोपहर का वक्त था लेखिका अपनी स्कूटी से जा रही थी। तभी वो और उन्ही के साथ एक और स्कूटी रोड क्रॉस कर रही थी। अचानक एक कार वाले आए इतने तेज रफ्तार में आए जिसके कारण दुसरी स्कूटी को धक्का लगा और स्कूटी पर से महिला गिर गई। लेखिका की भी स्कूटी को धक्का लगा लेकिन वो संभाल ली और रोड़ खराब होने के कारण महिला के हाथ, सिर पर काफी चोट लग गई और खून निकलने लगा। लेखिका सुरक्षित थी और वो स्कूटी से उतर कर आई तो देखी महिला नीचे गिरी हुई है। उस महिला का बेटा स्कूटी चला रहा था तो उसने और लेखिका ने मिलकर उनको उठाया। लेखिका ने रूमाल से सिर को अच्छे से दबाया। आस-पास में कोई दुकान था नहीं तो उसका बेटा गया मेडिकल दुकान पर जो थोड़ी दुर पर था। वो जाकर आ भी गया लेकिन वो कुछ लेकर नही आया। लेखिका पूछती है - आप डेटॉल और दवाएँ क्यो नही लाए। तब पता चला कि मेडिकल दुकान वाले यूपीआई नही रखते है और ना ही आस-पास के लोगों के पास, दोपहर के कारण बहुत सी दुकानें बंद भी थी और मेरे पास पैसे नहीं थे यूपीआई इस्तेमाल करता हुँ। फिर उसकी माँ के पास मात्र 100 रूपया था और लेखिका के पास यूपीआई रहता है इसलिए वो भी कभी कभी पैसे लेकर चलती नहीं है लेकिन उस दिन उनकी माताश्री ने कुछ काम के लिए उन्हे पैसे दी थी तो उस वक्त उसके पास पैसे थे। जो उस महिला के इलाज के लिए काम आया। फिर लेखिका पैसा दी और वो लड़का फिर गया मेडिकल दुकान वहाँ से सब कुछ लाया। फिर महिला को जहाँ चोद लगा था वहाँ डेटाल लगाकर क्रीम लगाकर पट्टी बाँध दी। हाथों में भी जहाँ-जहाँ चोद आया था वहाँ क्रिम लगाकर। उन्हे पानी पिलाकर, जब वो ठीक महसूस करने लगी तब उन्हे स्कूटी पर बैठाकर, उसके बेटे के कमर में एक कपड़ा से उस महिला को बाँधकर भेज दी। गर्मी के कारण दुकान भी बंद था तो लेखिका अपना काम भी नहीं कर पाई और अपने घर की ओर वापस आ गई। काम तो नहीं हुआ लेकिन जिदंगी का बहुत बड़ा सिख मिला- आज के समय में राह चलते कुछ भी हो सकता है और हर बार आपकी मदद करने वाले मिले ये भी जरूरी नहीं है और सबसे खास बात बिना पैसे का कुछ नहीं है। इसलिए समझदार बने, आत्मनिर्भर बने और जन कल्याण के लिए कार्य करते रहे और अपने जेब में कुछ पैसे अवश्य रखे।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

खुशियाँ लौट आई

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल 2024: एक बार अरजुनदाह वन में बारिश नहीं हुई। वन की स्थिति जर्जर हो गयी। पेड़-पौधे सुखने लगे। चारों ओर सूखा ही सूखा। हाहाकार मच गया। वन्य प्राणियों का तो हाल-बेहाल। वनराज सागरसिंह की मौत के पश्चात सोनू सिंहनी ने शासन की बागडोर सम्भाली। महारानी सोनू सिंहनी का सत्ता संचालन बहुत बढ़िया था। सूखे के सम्बंध में उन्हें जानकारी हो चुकी थी, परन्तु वह प्रजा के सलाह के बगैर समस्या का हल करने में असमर्थ थी। फिर एक दिन उन्होंने महामंत्री पप्पू लोमड़ को अपने महल में बुलवाया और उसे सभा बुलवाने की आज्ञा दी। महामंत्री पप्पू लोमड़ बहुत ही होशियार था। वह हमेशा सर्वहिताय की बात करता था। उसकी होशियारी की पूरे जंगल में चर्चा होती थी।

"जी महारानी! आपकी आज्ञा का पालन अवश्य होगा।" सर झुकाकर पप्पू लोमड़ ने रानी की आज्ञा को स्वीकार किया।

दूसरे दिन एक विशाल बेहड़ावृक्ष के नीचे सभा एकत्र हुई। सभा में बंदर, भालू, चीता, हिरण, मोर, कोयल, गिद्ध व अन्य समस्त प्राणी उपस्थित थे। एक ऊँचे प्रस्तर सिहासन पर महारानी सोनू सिंहनी खिन्न चेहरा लिये बैठी थी। उनके बगल में महामंत्री पप्पू लोमड़ बैठा था। सभा साँय-साँय कर रही थी; और क्यों न करती सूखे की भीषण समस्या ने सबका जीना दूभर जो कर दिया था।

तत्पश्चात महारानी सोनू सभा की ओर नजर डालती हुई बोली- "मेरे प्रिय प्रजागण! हम सबको मालूम है कि इस समय अरजुनदाह वन सूखे की दौर से गुजर रहा है। हम वन्य प्राणी जैसे भी हो अपना पेट तो भर पा रहे हैं, पर पानी के लाले पड़ रहे हैं।" सभी वन्य प्राणी रानी की बातों को कान लगाकर सुन रहे थे। रानी ने अपनी बात आगे बढ़ाई- "हे सभा में उपस्थित समस्त मेरे प्रिय प्रजागण! आप ही लोग बताइए कि इस विकराल समस्या का हल किस तरह निकाला जाय।"

महारानी की बातें अधिकांश प्राणियों के समझ से परे थी। समस्त वन्य प्राणी चुप्पी साधे बैठे थे। तभी महामंत्री पप्पू लोमड़ के दिमाग में एक विचार आया। अपने आसन से खड़े होते हुए बोला- "हे महारानी! पानी की समस्या के समाधान हेतु एक उपाय है।" महामंत्री के विश्वास भरे शब्दों से सभा में उत्सुकता जागी। सभी वन्य प्राणियों की दृष्टि महामंत्री पप्पू लोमड़ पर जा थमी।

"बोलिए महामंत्री जी! क्या उपाय है?" रानी तुरंत पूछ बैठी।

महामंत्री बोले- "हे महारानी! इस अरजुनदाह वन के पश्चिम दिशा में डुड़ियानाला बहता है। नाले में हमेशा पानी रहता है, परंतु...।"

"परंतु... क्या महामंत्री जी, बोलिए..?" राजस्व सलाहकार सुम्मी बुलबुल ने महामंत्री की ठिठकती जुबान पर सवाल किया।

"परंतु, कठोर परिश्रम की आवश्यकता है।" महामंत्री जी ने कहा। बिट्टू बंदर आगे सरकते हुए बोला- "हम जरूर परिश्रम करेंगे महामंत्री जी, आखिर हमें करना क्या है महामंत्री जी?" फिर गैंदू गैंडा ने अपना विश्वास जताया- "हम जरूर मेहनत करेंगे। आखिर इसमें तो हमारा ही हित है। अपने हित के लिए हम भला क्यों जी चुराएँगे?"

"हाँ...हाँ...हम अवश्य मेहनत करेंगे....।" का स्वर सभा में गूँजने लगा। वन्य प्राणियों का उत्साह देख महारानी सोनू सिंहनी प्रसन्नचित बोली- "हाँ महामंत्री जी, अब तो बोलिए, आखिर करना क्या है? "अब सारी प्रजा ने स्वहित के लिए कमर कस ली है।" फिर महामंत्री पप्पू लोमड़ बोले- "महारानी जी! स्वच्छ व निर्मल जल वाला डुड़ियानाला अरजुनदाह वन के मध्य दक्षिण दिशा की ओर बहता है। बहते पानी को बांध बनाकर रोका जा सकता है। बांध बनने से ही हम वन्य प्राणियों को पर्याप्त पानी मिल पाएगा।" महामंत्री पप्पू लोमड़ ने अपनी वाणी को विराम देकर आसन ग्रहण किया।

अब डुड़िया नाले पर बांध बनाने के लिए सभी वन्य प्राणी तैयार हो गये। दूसरे दिन पौ फटते ही नाले पर बांध निर्माण के लिए वन्यप्राणियों का ताँता लग गया। सारा जंगल आज एकजुट दिखने लगा। किसी ने मिट्टी खोदना शुरु किया तो किसी ने पानी में मिट्टी डाला। कोई पानी पर पत्थर फेंकता तो कोई उन पत्थरों को जोड़ने का काम करता।

अंततः वन्य प्राणियों की जी-तोड़ मेहनत ने रंग लाई। बांध बनकर तैयार हो गया। बहता जल थम गया। सभी ने पानी का यथोचित उपयोग करने की कस्में खाईं। इस तरह वन्य प्राणियों की एकता, भाईचारा व मेहनत के बल पर अरजुनदाह वन में खुशियाँ लौट आई।

टीकेश्वर सिन्हा "गब्दीवाला"
घोटिया-बालोद (छ.ग.)

नरेन्द्र मोदी अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं और पटनायक चुनिन्दा लोगो के लिए- राहुल गाँधी

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (कटक): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कटक की चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने रविवार को आरोप लगाया कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली के अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं तो दूसरी ओर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक ऐसी सरकार का नेतृत्व करते हैं जो केवल राज्य के "चुनिंदा लोगों" के लिए काम करती है।

राहुल गांधी ने कटक के सालेपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि भले ही बीजू जनता दल (बीजद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं लेकिन वास्तव में वे एक साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "इसे साझेदारी कहें या विवाह, बीजद और भाजपा दोनों एक साथ हैं।" गांधी ने पटनायक पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही पटनायक मुख्यमंत्री हैं, लेकिन राज्य में बीजद सरकार उनके सहयोगी वी के पांडियन चला रहे हैं।

राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22-25 अरबपतियों की सरकार वहां (केंद्र)चलाई वैसे ही यहां नवीन पटनायक चुने हुए लोगों की सरकार चलाते हैं। इसका पूरा का पूरा फायदा मुट्ठी भर लोगों का होता है। बाकी जनता देखती रह जाती है। तेलंगाना में भाजपा और बीआरएस की शादी थी। वहां पर हर रोज उनकी बारात निकलती थी। कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में दिखाया कि भाजपा और बीआरएस एक हैं और अगर विपक्ष का कोई काम कर रहा है तो वो कांग्रेस पार्टी कर रही है।

भाजपा धनबाद सदर के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): भारतीय जनता पार्टी धनबाद सदर के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की एक बैठक मंडल अध्यक्ष निर्मल प्रधान की अध्यक्षता में प्रियांशी होटल में संपन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने कहा की 30 अप्रैल को धनबाद लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी तथा बाघमारा के विधायक ढुल्लू महतो नामांकन करेंगे। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तथा झारखंड बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी उपस्थित रहेंगे। उस दिन गोल्फ ग्राउंड में एक जनसभा भी होगी। नामांकन और जनसभा दोनों महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

इन दोनों की सफलता के लिए आप सभी संकल्पित होकर लग जाए। आप सभी प्रयास करें

की नामांकन और जनसभा में प्रत्येक बूथों से अधिक से अधिक उपस्थित हो। शक्ति केंद्र के प्रभारी, संयोजक और सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख की उपस्थिति के लिए आप सभी संकल्पित होकर लगे। 2024 का लोकसभा चुनाव सिर्फ एक सरकार नहीं, बल्कि विकसित भारत के लिए है।

लोकसभा प्रभारी सुरेश साहू ने कहा की अपने कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और समर्पण से भाजपा 2024 में हैट्रिक लगाने जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में विकास की किरण जन-जन तक पहुंची है। निश्चित रूप से धनबाद लोकसभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो जी के नामांकन और इस अवसर पर होने वाले जनसभा की सफलता धनबाद लोकसभा से भाजपा के विजय की नींव रखेगी।

लोकसभा संयोजक सत्येंद्र कुमार ने कहा की देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास के साथ-साथ पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ाने का भी काम किया है। आज भारतीय जनता पार्टी के साथ पूरा देश खड़ा है। इसलिए भाजपा प्रत्याशी श्री ढुल्लू महतो जी को भारी मतों से जिताकर संसद में भेजने का काम करिए और प्रधानमंत्री जी के हाथों को और अधिक मजबूत करिए।

महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि 30 तारीख को होने वाले नामांकन और जनसभा कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी धनबाद सदर मंडल की अधिक से अधिक उपस्थित हो इसके लिए आप सभी प्रयास करें।

विधानसभा प्रभारी हरिप्रकाश लाटा ने बूथ अध्यक्ष सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे कार्यकर्ता जन-जन के कल्याण और राष्ट्रोत्थान का संकल्प लेकर आगे बढ़े और धनबाद मे भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजय दिलाने के लिए कार्य करें।

कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मिल्टन पार्थसारथी और उमेश सिंह ने तथा सदर महामंत्री राजाराम दता ने किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य रमेश राही, राजकुमार अग्रवाल, जिला महामंत्री नीतिन भट्ट जी, जिला उपाध्यक्ष संजय झा, मानस प्रसून, विकास सिंहा, आला पाल, दीपक सिंह, सत्येंद्र मिश्रा, श्रवण झा अखिलेश झा, संजय मुखर्जी, रीता प्रसाद, रमा सिंहा, पूनम अचिंत्य, बेबी राजू सिंह, बसंती देवी, रामजी मिश्र, उदय सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

अंडर 15 टूर्नामेंट में धनबाद जिला टीम में माही क्रिकेट क्लब से कुल 9 लड़कियों का चयन

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (निरसा): झारखंड क्रिकेट संघ द्वारा संचालित होने वाले अंडर 15 टूर्नामेंट में धनबाद जिला की टीम में कुमारधुबी के माही क्रिकेट क्लब से कुल 9 लड़कियों का चयन हुआ है।

इसकी जानकारी देते हुए माही क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष सह झारखंड क्रिकेट संघ के आजीवन सदस्य अभिजीत घोष ने बताया कि 30 अप्रैल से पाकुड़ में आयोजित अंडर 15 टूर्नामेंट में माही क्रिकेट क्लब की कोयल ,अनु कुमारी ,आनंदी,

आरती, सुषमा ,अंकिता मौर्य ,रिया, समृद्धि तथा सुमन का चयन धनबाद जिला अंडर 15 टीम में हुआ है। इसके पूर्व अंडर-19 में भी इसी टीम से पांच लड़कियों का चयन धनबाद जिला टीम में हुआ था, जिन्होंने उम्दा प्रदर्शन कर धनबाद जिला को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इन क्रिकेटरों के बेहतरीन प्रदर्शन के बदौलत जिला टीम में जगह बनाने पर बधाई दी।वहीं टीम के कोच कुंदन कुमार राज तथा भागीरथ रजवार को सराहा। माही क्रिकेट क्लब की सचिव दोयल घोष ने भी खिलाड़ियों तथा टीम के दोनों कोच को शुभकामनाएं दी।

रट लो की तकलीफों को दूर करने और भविष्य में तकलीफें न आवे, उसके लिए जयगुरुदेव नाम की ध्वनि हमको बोलना है

शाकाहारी नशामुक्त रहकर सपरिवार जयगुरुदेव नाम ध्वनि बोलने पर कुछ ही दिनों में हर तरह से फायदा दिखेगा, कर के देख लो

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (शाहजहांपुर/ उ.प्र.): वक़्त के पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि इस वक़्त का प्रभु का जगाया हुआ नाम जयगुरुदेव, संकट में मददगार है। इस नाम में उस प्रभु की पूरी ताकत समाई है। समय-समय पर नाम को जगाया जाता है। जब राम भगवान आए थे तो राम नाम में उन्होंने शक्ति भरा था। लंका पर विजय के लिए जब समुन्द्र पर पुल बनाने की जरुरत पड़ी तब पत्थर पर राम-राम लिखकर के समुन्द्र में डाला, सारे पत्थर तैरने लगे थे। इसे देख बन्दर भालुओं को विश्वास हुआ, उनकी हिम्मत बढ़ गई कि जिनके नाम के लिखने में पत्थर तैर रहा है, उनमें कितनी शक्ति होगी, हमारा कोई कुछ नहीं कर पाएगा। हिम्मत जब बढ़ जाती है तब आदमी कामयाब हो जाता है। मन के हारे हार है, मन के जीते जीत, पार ब्रह्म को पाइए मन ही के परतीत। जब महात्मा महापुरुष आते हैं तो नाम को जगा करके उसे परमात्मा से जोड़ देते हैं। त्रेता में राम नाम, द्वापर में कृष्ण नाम कलयुग में सत साहब नाम, वाहेगुरु और इस समय जयगुरुदेव नाम है। बहुत लोगों ने आजमाइश किया, आप लोग भी

आजमाइश कर सकते हो। गुरु बिन भव निधि तरे न कोई, जो बिरंच शंकर सम होई। चाहे ब्रह्म या शिव के समान कोई होगा, बगैर गुरु के पार नहीं हो सकता है। वक्त के गुरु, समरथ गुरु की जरूरत पड़ती है। वक्त के गुरु जब मिल जाते हैं, जीता जागता नाम मिल जाता है तो जीवों का उद्धार हो जाता है।

जयगुरुदेव नाम ध्वनि

मैं देख रहा हूँ, बहुत लोग दुखी हैं। तो अब तकलीफों में आराम पाने का उपाय ले लो। नामदान के पांच नामों से तकलीफें जल्दी जाएँगी लेकिन इनको आपको किसी को बताना नहीं है। लेकिन इस जयगुरुदेव नाम को आप बता सकते हो, जयगुरुदेव नाम की ध्वनि आप बुलवा सकते हो। एक घंटा सुबह-शाम परिवार वालों को इकठ्ठा करके अगर जयगुरुदेव नाम की ध्वनि बुलवाने लगोगे तो कुछ दिनों में हर तरह से फायदा आपको दिखाई पड़ने लगेगा। जो शाकाहारी नशामुक्त हो कर बोलेंगे उन्हें जल्दी फायदा होगा। शराबी, मांसाहारी, सटोरियों, जुआरियों, बुरा कर्म करने वालों को भी फायदा होगा लेकिन तब जब उन्हें लगातार बुलवाओगे, जब उनके कर्म कटेंगे तब। परिवार वालों के साथ जब आप जुड़े हुए हो, दुःख-सुख के साथी हो, एक-दुसरे की सेवा करते हो, एक-दुसरे की बात मानते हो तो उन्हें इसके लिए राजी कर लो कि एक घंटा जयगुरुदेव नाम ध्वनि बोली जाय जिससे आगे तकलीफ न आवे। अभी तक तो बहुत भोगा गया, अब आगे नहीं। बच्चों को भी बुलवाया जाए जिससे बच्चों को भी तकलीफ न आवे। बच्चों के खाने-पीने, आने-जाने, संगत आदि का ध्यान रखो तो वो बिगड़ेंगे नहीं तो कर्म खराब नहीं होंगे तो उनको तकलीफें आएँगी नहीं। जो सतसंगियों के बच्चे जो संगत में, ध्यान-भजन में लगे रहते, नाम ध्वनि बोलते रहते हैं, वो बिगड़ते नहीं हैं। जो गुरु पर विश्वास कर लेते हैं गुरु उनकी रक्षा करते हैं।

वर्तमान और भविष्य की तकलीफों को दूर करने का तरीका

सब नये-पुराने लोग रट लो कि तकलीफों को दूर करने के लिए और भविष्य में तकलीफें न आवे, उसके लिए जयगुरुदेव नाम की ध्वनि हमको बोलना है। प्रथम सीढ़ी पर जाना है। मंजिल, छत पर अगर जाना है यह पहली सीढ़ी जयगुरुदेव नाम की है, इस पर चढ़ना है। नाम ध्वनि ऐसे बोलना रहेगा- जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयजय गुरुदेव। बोलकर के नए लोग सीख लो नहीं तो वहां नहीं बोल पाओगे। सोचोगे कि हम तो बड़े आदमी, पढ़े-लिखे हैं और यह जयगुरुदेव वाले सब झोला टांगे, झंडा लिए हुए इधर-उधर घूमते रहते हैं, गरीब हैं गंवार हैं। यह गरीब गंवार नहीं, शहंशाह के बेटे हैं, आपको इनसे सीख लेनी चाहिए।

156वें शक्ति महायज्ञ का शुभारंभ, कलश यात्रा में उमड़ी हजारों की भीड़

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के ओलापुर पंचायत स्थित मधुबन शीतला स्थान में नौ दिवसीय शक्ति महायज्ञ का आयोजन बाल संत त्यागी जी महाराज इंटरनेशनल भिखारी के सानिध्य में किया जा रहा है। जिसको लेकर रविवार को गाजे-बाजे व ढोल-नगाड़े के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल हजारों-हजार की संख्या में नर-नारी नंगे पाँव शिर पर कलश लेकर नगर भ्रमण करते हुए यज्ञस्थल के समीप स्थित गंगा तट से कलश में जल भरकर यज्ञ भगवान सहित अन्य देवी देवताओं की जय कारे के साथ यज्ञ मंडप पहुंचे। वहीं यज्ञाचार्य हरेन्द्र शास्त्री के द्वारा वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ कलश पूजन करा कलश को स्थापित किया गया। इसके पूर्व मुख्य अतिथि भूतपूर्व सैनिक संघ वेटरन्स इंडिया झारखंड प्रदेश अध्यक्ष भूलन दुबे सहित अन्य आगंतुक अतिथियों ने फीता काटकर शोभा यात्रा का शुभारंभ किया। वहीं बबलू यादव, भरत यादव, संतोष यादव, सियाराम यादव, अरुण यादव, मंगल यादव, गोपाल यादव, बासुकी यादव सहित अन्य गणमान्य लोग शोभा यात्रा को सफल बनाने में तन- मन-धन से शामिल रहे।

नामांकन से चुनाव समाप्ति तक एसएसटी, एफएसटी रहे अलर्ट- उपायुक्त

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (धनबाद): नामांकन से लेकर चुनाव की समाप्ति तक स्टैटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) एवं फ्लाइंग स्क्वायड टीम (एफएसटी) अलर्ट रहकर अपने कर्तव्य का निर्वाहन करें। एसएसटी स्थान बदल बदल कर चेक नाका लगाए। हर वाहनों की गहराई से जांच करें। धनबाद, झरिया एवं बाघमारा में विशेष सतर्कता बरते। चुनाव के दौरान धन बल का प्रयोग नहीं हो, यह सुनिश्चित करें।

उपरोक्त निर्देश जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने रविवार की संध्या न्यू टाउन हॉल में एसएसटी एवं एफएसटी के साथ आयोजित बैठक में दिया।

उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल को चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके साथ ही राजनीतिक गतिविधियां बढ़ेगी। एसएसटी टीम 50000 रुपए से अधिक नगद राशि, भारी मात्रा में शराब, ड्रग्स, हथियार, गोला बारूद सहित मतदाताओं को प्रलोभन देने या डराने-धमकाने के लिए प्रयोग की जानी वाली वस्तुओं की बारीकी से जांच करेगी। जांच में ऐसी वस्तु मिलने पर उसे जब्त करेगी। वहीं 10 लख रुपए से अधिक की नगद राशि मिलने पर आयकर विभाग को सूचित करेगी।

उपायुक्त ने कहा कि ड्यूटी के दौरान टीम का कोई भी सदस्य लापरवाही नहीं बरतेंगे। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराने के लिए आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करेंगे।

बैठक के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने कहा कि फ्लाइंग स्क्वायड टीम को हमेशा भ्रमणशील रहना है। जांच के दौरान प्रतिबंधित वस्तु मिलने पर उसकी पूरी वीडियोग्राफी करनी है। कोई भी ऐसी सामग्री जिससे चुनाव प्रभावित हो सकता है या मतदाताओं को प्रलोभन दिया जा सकता है उसे जब्त करना है।

उल्लेखनीय है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन ने 63 एसएसटी का गठन किया है। जिसमें धनबाद, झरिया व बाघमारा के लिए 12-12 तथा टुंडी, निरसा व सिंदरी के लिए 9-9 टीम है। टीम तीन शिफ्ट में चौबीसों घंटे कार्यरत रहेगी।

बैठक में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, एसडीओ उदय रजक, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुंडा, डीएसपी मुख्यालय 2 संदीप कुमार गुप्ता, डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

लू से बचने के लिये करें ये उपाय

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: पिछले कुछ दिनों से पीरपैंती वासियो को भीषण गर्मी से दो चार होना पड़ रहा है। आसमान से मानो चिलचिलाती धूप नहीं आग बरस रही हो। वहीं गर्म पछुआ हवा भी लोगों को खूब झुलसा रही है। इन दिनों में लोगों को लू लगने की शिकायत भी ज्यादा होती है।जिसको लेकर रेफरल अस्पताल में पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० कृष्ण

कुमार ने बताया कि ऐसे दिनों में लू से बचने के लिए खूब पानी पिए, तरल पेय पदार्थ का ज्यादा सेवन करे,ताजे रसदार फल जैसे खीरा, तरबूज आदि का सेवन करें, घर से बाहर निकलने के दौरान पूरे शरीर को ढकने वाले सूती कपड़े का प्रयोग करें, आसाध्य रोग के रोगी धूप में घर से बाहर नही निकले एवं पैदल चलने वाले लोग छतरी का अवश्य प्रयोग करें। साथ ही त्रास लगने पर इलेक्ट्रॉल व ओआरएस का घोल पिये, कोई भी समस्या का एहसास होने पर खुद से कोई दवा नहीं ले तुरंत अनुभवी चिकित्सक से संपर्क करें।

सांसद प्रतिनिधि आवास पहूंच कर विधायक जाना कुशलक्षेम

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (निरसा): भाजपा नेता सह धनबाद सांसद प्रतिनिधि डी एन पाठक के आवास पहूंच कर निरसा विधायक अर्पणा सेनगुप्ता एवं विधायक पुत्र आकाश सेनगुप्ता ने तबियत के बारे मे जानकारी ली एवं जल्द स्वस्थ होने की कामना किये और चुनाव कार्य मे शीघ्र लग जाने का आग्रह किया।

कम्युनिस्ट नेता के निधन पर शोक

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के सुंदरपुर निवासी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता कामरेड भगवान पासवान का आकस्मिक निधन रविवार की सुबह हो गया। यह जानकारी मिलते हीं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ पड़ी। वहीं पैक्स अध्यक्ष अशोक यादव ने बताया कि वे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी में विभिन्न दायित्वों का निर्वहण करते हुए, अंचल परिषद के सदस्य रहे। उनके आकस्मिक मृत्यु से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। इस दौरान कामरेड देव कुमार यादव, मुखिया अरबिंद साह, उप-प्रमुख प्रतिनिधि राखो राम, प्रो०भोला यादव, टुंगनाथ तिवारी, पप्पू तांती व अन्य लोगों ने शोक संवेदना दी है।

विश्व नृत्य दिवस विशेष- नृत्य इतिहास से वर्तमान तक

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (इंदौर/ म.प्र): प्रत्येक वर्ष 29 अप्रैल को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस की शुरुआत 29 अप्रैल 1982 से हुई। यूनेस्को की सहयोगी अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्था की सहयोगी अंतर्राष्ट्रीय नाच समिति ने 29 अप्रैल को नृत्य दिवस के रूप में स्थापित किया। एक महान् रिफॉर्मर जीन जार्ज नावेरे के जन्म की स्मृति में यह दिन अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस विशेष अवसर पर कला एवं साहित्य के शहर इंदौर की ख्यात नृत्यांगना एवं शास्त्रीय नृत्य कथक में पीएचडी करने वाली श्रीमती डॉ प्राची पाण्डेय भट्ट का विशेष आलेख

स्वतंत्रता के पश्चात से वर्तमान तक कथक की यात्रा

आदि मानव की आंतरिक वृत्तियों एवं भावनाओं की अभिव्यक्ति का सार्थक रूप है नृत्य। जो सभ्यता और संस्कृति के सोपानो पर चढ़ते हुए हज़ारों सालों से भिन्न-भिन्न धर्म, जाती, समाज, संस्कृति, क्षेत्रों और राष्ट्रों का प्रतिक बनकर पल्लवित तथा विकसित हुआ है। नृत्य एक दृष्टव्य कला है जिसे रुचिपूर्ण बनाने के लिए कालांतर से अनेक नृत्यकारों ने अथक परिश्रम किया और उसे आकर्षक, मोहक, नवीनता एवं प्रयोगधर्मिता का समावेश किया है, किन्तु यदि नृत्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से वर्तमान आधुनिक युग की तुलना की जाये तो नृत्य चाहे कथक हो या अन्य सभी की अभिव्यक्ति में क्रन्तिकारी परिवर्तन आ गया है।

आज़ादी के बाद से आज के 2024 तक के समय में नृत्य का बेहद प्रचार-प्रसार घुसा है। कथक नृत्य आज जो हमारे सामने है उसका इतिहास 250 -300 वर्षों से अधिक का नहीं लगता क्योकि पहले के और वर्तमान के प्रदर्शन स्वरुप में कुछ हटकर ही परिवर्तन आया है। आज़ादी के समय और आज के कथक की तुलना की जाये तो एक बात साफ़ नज़र आती है और वो ये कि कथक की अभिव्यक्ति के सौंदर्य में वृद्धि हुई है। जो इसके कलात्मक स्वरुप के संरक्षण में सहायक सिद्ध हुई है।

आज के आधुनिक युग में भी कथक का मूल धार्मिकता ही है। कथक के प्रदर्शन में आज भी पौराणिक कथाओं पर आधारित नृत्य नाटिकाएं होती है परन्तु इसके साथ-साथ अन्य विषयों का भी समावेश कथक की अभिव्यक्ति में किया गया है, जिसमे कुमुदनी लखिया और पंडित बिरजू महाराज जैसे युगांतर नृत्यकारों के नाम शामिल है।

एक विशेष बात जो नृत्य विधा के साथ रही है की ऐतिहासिक और पौराणिक युगों में इसकी अभिव्यक्ति की मंच सिमित थे जो विशेष अवसरों पर होते था लेकिन वर्तमान समय में नृत्य केवल विशेष अवसरों से निकलकर दैनिक जीवन का हिस्सा बना है। केवल साधना से साधन और मनोरंजन से तनमन की ऊर्जा से जुड़ा है, लेकिन आधुनिक युग और दिन प्रतिदिन जन्म ले रही नृत्य की नई-नई तकनीकों में पौराणिक नृत्य के सामने कई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी है और उनके बीच कथक या अन्य विधा जैसे शास्त्रीय या भरतनाट्यम जैसे नृत्यों को जीवित, पोषित और विकसित बनाये रखना देश की संस्कृति और सभ्यता के लिए बेहद ज़रूरी है।

डॉ श्रीमती प्राची पाण्डेय भट्ट अनहद नृत्य एवम संगीत अकादमी

इंटरनेशनल डांस डे पर विशेष

आयोजन डांस के रंग प्रॉप्स के संग

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (नरसिंहपुर): नृत्य किसी एक देश की विरासत नहीं यह सारी दुनिया और प्रकृति का अपनी खुशी जाहिर करने का एक ऊर्जा से भरपूर तरीका जिसे करने और देखने वाले दोनों को ही प्रसन्नता का अहसास होता है। इसलिए समस्त संसार में 29 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाया जाता तो इस अवसर पर काया योग एंड ज़ूम्बा फिटनेस सेंटर की संचालिकाओं सुश्री इंदु सिंह व नमिता जनोरिया ने सहयोगी संस्था इंडियन डांस एकेडमी के सहयोग से डांस पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी थीम डांस के रंग प्रॉप्स के संग रखी गई थी।

डांसर एंड कोरियोग्राफर नमिता जनोरिया के द्वारा हर ग्रुप को एक अलग प्रॉपर्टी का प्रयोग करते हुए अलग ढंग से नृत्य करवाया गया जिससे यह दिवस बेहद खास बन गया।

प्रथम समूह में स्वाति सिंह, स्नेहा जैन, संगीता राम, मुक्ति राय, जया विश्वकर्मा ने नमिता जनोरिया के साथ राजस्थानी पोशाक धारण कर हाथों में तलवार लेकर राजस्थानी ढंग से नृत्य किया जिसकी प्रस्तुति मनमोहक थी।

दूसरे समूह में प्रियंका शर्मा, पूजा साहू, शिवांगी साहू, काव्या कुंदनानी, शिखा साहू, ममता अवधिया ने नमिता जनोरिया के नृत्य निर्देशन में कुर्सी का उपयोग करते हुए नृत्य किया जिसका प्रस्तुतिकरण हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देने वाला था। अगले समूह में ताशी हीरानी, अंकिता जुनेजा, रानू श्रीवास्तव, आरती सिंह, कीर्ति पालीवाल, मीना शर्मा, अनामिका धाकड़, साधना जैन, समृद्धि जायसवाल, विशाखा, सिद्धि पालीवाल, श्वेता शर्मा, ममता साहू ने नमिता जनोरिया के कदम से कदम मिलाकर बैडमिंटन और स्विस बॉल का बेहतरीन तरीके से प्रयोग करते हुए अनूठा नृत्य किया जिसमें एक्सरसाइजेज और डांस के कॉम्बिनेशन ने हर किसी को आकर्षित किया।

कार्यक्रम की रूपरेखा और विषय का चयन सुश्री इंदु सिंह द्वारा नमिता जनोरिया के साथ मिलकर किया गया और इंटरनेशनल डांस डे को किस प्रकार अनोखे अंदाज में मना सकते इस पर विचार कर डांस के रंग प्रॉप्स के संग विषय का चयन किया गया।

जिसके लिए नृत्य निर्देशिका नमिता जनोरिया ने विविध आइटम्स को नृत्य की स्टेप्स के साथ इस तरह से फिट किया कि सबने डांस भी किया और इस नए तरीके को एन्जॉय भी किया। जिसकी सबने सराहना की और नवाचार के लिए डांस डायरेक्टर की प्रशंसा भी की जिनके प्रयासों से नृत्य हमेशा नृत्य नहीं रहता वह विविधता और व्यायाम के सम्मिलन से फिटनेस का डोज भी बन जाता जो इस संस्था की विशेषता है।

खुशामद किसी की अब होती नहीं हमसे

खुशामद किसी की अब होती नहीं हमसे।
जरूरत हो जिसको वह, आ जाये हम तक।।
चाहते नहीं हैं अब हम, करना गुलामी।
मोहब्बत हो जिसको वह, आ जाये हम तक।।
खुशामद किसी की अब---।।

जताते थे हमको अपनी मजबूरियाँ।
मजबूर थे जब उनकी मदद को।।
मंजूर नहीं हमको अब सिर झुकाना।
मिलना हो जिसको वह, आ जाये हम तक।।
खुशामद किसी की अब---।।

रहम हमपे क्यों उनको आया नहीं।
सितम जब हमपे किसी ने किये थे।।
नहीं अब पसंद उनसे हाथ मिलाना।
कहना हो जिसको कुछ, आ जाये हम तक।।
खुशामद किसी की अब---।।

दिखावे के रिश्तें हम नहीं मानते।
बताते नहीं हमको मतलब धर्म का।।
यहाँ मतलबी बताओ कौन नहीं है।
देखना हो जिसको सच, आ जाये हम तक।।
खुशामद किसी की अब----।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

तेरी क़ुर्बत तेरी बातें तेरा अंदाज़ लिखता हूं

रखता हूं तेरा ख्याल जब भी मैं कोई ग़ज़ल लिखता हूं।
तकते हैं लोग चांद को मैं तुझकोचांद लिखता हूं।
आता है मुझे उसकी शरबती आंखों में डूब जाना बस।
मद भरी आंखों को उसकी मैं तो शराब रखता हूं।
मेरी आंखों में है तु मेरे चेहरे को लोग पढ़ लेते हैं।
वो रहा नहीं मेरा मैं अब भी उसको अपना लिखता हूं।
वादा किया तो था उसने वादा वफा ना हो सका उससे।
ज़ब्त देखिए मेरा आज भी उसको इंतज़ार लिखता हूं।
बहुत कुछ याद आ जाता है ज़हन को तेरे याद आने से।
तेरी यादें तेरी क़ुर्बत तेरी बातें तेरा अंदाज़ लिखता हूं।
गैसू घटाओं से, सुर्ख़ लब आंखें तेरी काली-काली सी।
रात वो बरसात की और फ़िर तेरा साथ लिखता हूं।
चंद लम्हों की ही तो मुलाक़ात थी वो सच कहूं मुश्ताक़ ।
देखिए फिर भी मुतालिक़ उसके बेशुमार लिखता हूं।

डॉ.मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्य प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

ओवर डोज

चाटे जाने वाले चाशनी लोगों को
थोड़े से चटा क्या दिया गया
लोग मदहोशी की आलम में चले गए,
वे कभी सोच ही नहीं सकते कि
किस प्रकार से वे छले गए,
अब वे झूमे जा रहे हैं,
और कंकड़ पत्थर चूमे जा रहे हैं,
इनके झूमने का कोई और लाभ ले रहा,
मदहोशों को नित नए बाप दे रहा,
पॉवर में रहने का ये सत्ताई तरीका
सदियों से आजमाया जा रहा है,
विश्व के हर कोने में
सकारात्मक परिणाम लाया जा रहा है,
ये नशा ऐसा कि लोग
अपनी मूलभूत सुविधाएं भूल गए,
माथा रगड़ने का चस्का ऐसा
इस दिवालियेपन में मशगूल भए,
रोटी, स्वास्थ्य शिक्षा और घर,
इस ओर डाल ही नहीं पाए नजर,
ऐसे माहौल में कभी भी नहीं किया
जाता सवाल,
सत्ता मनमानी करता रहता है कर कर बवाल,
मदमस्त रहने के लिए
दिया जा रहा ओवर डोज,
तभी तो कर ही नहीं पाते
लोग अपनी ही खोज।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़ छग
कोलफील्ड मिरर

वाह रे प्याज़! निर्यात बंदिश के बावजूद 6 देशों का पहनोगे ताज़

भारत से प्याज निर्यात पर रोक के बावजूद सरकार ने 6 देश को सीमित निर्यात की इज़ाजत दी

सरकार का रबी-2024 में प्याज़ बंपर खरीदी का लक्ष्य-भंडारण फैसला 12 सव से 5 हज़ार मेट्रिक टन से अधिक करने का फैसला सराहनीय कदम-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल (गोंदिया): भारत में लोकतंत्र का महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के 19 व 26 अप्रैल 2024 के दो चरणोंका चुनाव समाप्त होने के बाद अब 95 लोकसभा सीटों पर 7 मई 2024 को चुनाव होना है,जिसकी सरगर्मी तेजी से शुरू हो गई है परंतु इस बीच आज दिनांक 27 अप्रैल 2024 शाम को एक बड़ी खबर, खाद्य उपभोक्ता मामले मंत्रालय से आई कि भारत से प्याज निर्यात पर रोक होने के बावजूद सरकार ने 6 देश को सीमित निर्यात यानें 99150 टन का निर्यात करने की अनुमति दी है, जबकि एक दिन पूर्व ही दिनांक 26 अप्रैल 2024 को सरकार ने 2000 मेट्रिक टन सफेद प्याज के निर्यात की अनुमति दी थी, जो आम नागरिकों की आंख से आंसू निकलने की आहट जान पड़ती है, क्योंकि स्वाभाविक है प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, इसमें भी शासन की दाद देनी पड़ेगी क्यों कि चुनावों के बीच इस तरह के फैसले लेना कितना मुश्किल काम होता है, जिसका प्रभाव आम जनता की रसोई तक पड़ जाए परंतु इस बीच एक अच्छी खबर भी आई है कि सरकार का रबी-2024 मेंप्याज़ बंपर खरीदी का लक्ष्य बनाया गया है, भंडारण फैसला 12 सव से 5 हज़ार मेट्रिक टन से अधिक करने का फैसला भी सराहनीय कदम है। फिर भी 6 देशों को ब्याज का निर्यात से आम जनता की जेब पर असर पड़ सकता है। क्योंकि, भारत में टमाटर और प्याज को स्वाद याने टेस्ट की चाबी माना जाता है जो भोजन रूपी दरवाजे और उसके स्वाद को प्याज टमाटर रूपी चाबी से खोला जाता है। यानें यह दोनों नहीं रहे तो मेरा मानना है कि अमीर से गरीब व्यक्ति तक को भोजन के स्वाद में कुछ ना कुछ कमीं महसूस करने को मिल जाएगी, इसका अनुभव घर के होम मिनिस्टर यानें महिलाओं को अधिक अनुभव होना लाजमी है, क्योंकि बिना प्याज टमाटर के सब्जी बनाना कितना मुश्किल होता है इनसे अधिक कोई नहीं जान सकता। क्योंकि यदि सब्जी में प्याज किसी को वर्जित है तो उसका अल्टरनेट टमाटर है और टमाटर का अल्टरनेट प्याज है, यदि दोनों ही नहीं हो तो स्वाद की चाबी गुम समझो ! चूंकि भारत से प्याज निर्यात पर रोक होने के बावजूद सरकार ने 6 देशों को सीमित निर्यात की इजाजत दी है,इसलिए आज हम मीडिया व पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे वाह रे प्याज़ ! निर्यात बंदिश के बावजूद 6 देशों का पहनोगे ताज़!

साथियों बात अगर हम दिनांक 27 अप्रैल 2024 को 6 देशों को प्याज़ निर्यात की इजाजत की करें तो, केंद्र सरकार ने पिछले कई महीनों से प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा रखा था। लेकिन इसमें थोड़ी ढील दी गई है। सरकार ने 6 पड़ोसी देशों को प्याज निर्यात करने की अनुमति दे दी है। इससे पहले सरकार ने मध्य-पूर्व और कुछ यूरोपीय देशों को 2 हज़ार टन सफेद प्याज के निर्यात की भी इजाजत दी थी।उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में पीआईबी के हस्ते बताया कि सरकार ने छह पड़ोसी देशों- बांग्लादेश, यूएई, भूटान, बहरीन, मॉरीशस और श्रीलंका को 99,150 टन प्याज के निर्यात की इजाजत दी है। इससे पहले केंद्र सरकार ने विशेष रूप से मध्य पूर्व और कुछ यूरोपीय देशों को 2, हज़ार टन सफेद प्याज के निर्यात की भी अनुमति दी थी। दरअसल, 2023-24 में पिछले साल के मुकाबले खरीफ और रबी फसलों की पैदावार घटने का अनुमान था। इसलिए सरकार ने पिछले साल दिसंबर में प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया दिया, ताकि घरेलू बाजार में इसकी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इससे कीमतों को कम रखने में भी मदद मिली।सरकार ने उस वक्त बताया था कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्याज की डिमांड बढ़ गई है, जिसके चलते यह प्रतिबंध लगाया गया है। कृषि मंत्रालय ने पिछले महीने प्याज उत्पादन के आंकड़े जारी किए थे। इसके मुताबिक, 2023-24 में प्याज की पैदावार करीब 254.73 लाख टन होने की उम्मीद है, जो पिछले साल 302.08 लाख टन थी। मंत्रालय ने बताया कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में प्याज का उत्पादन कम हुआ है, जो पैदावार में गिरावट की बड़ी वजह है।हालांकि, सरकार ने प्याज भंडारण तकनीक को बेहतर किया है। यही वजह है कि इस भंडारण क्षमता को 1, 2 सव टन से बढ़ाकर 5, हज़ार एम टन करने का फैसला किया है। सरकार ने दावा किया कि कोल्ड स्टोरेज के पायलट से प्याज के भंडारण में होने वाला नुकसान 10 प्रतिशत तक कम हुआ है। इन देशों को प्याज निर्यात करने वाली एजेंसी राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) ने ई-प्लेटफॉर्म के जरिये निर्यात के लिए घरेलू प्याज मंगाया है। उपभोक्ता मामले विभाग के प्राइस स्टैबलाइजेशन फंड (पीएसएफ) के तहत रबी-2024 में से प्याज की बफर खरीद का लक्ष्य इस साल 5 लाख टन तय किया गया है। इनकी खरीद केंद्रीय एजेंसियां एनसीसीएफ और एनएएफईडी करती हैं। ये किसी भी स्टोर होने लायक प्याज की खरीद शुरू करने के लिए खरीद, भंडारण और किसानों के पंजीकरण का समर्थन करने को एफपीओ /एफपीसी /पीएसी जैसी स्थानीय एजेंसियों को जोड़ रही हैं। डीओसीए, एनसीसीएफ और नेफेड की एक हाई लेवल टीम ने पीएसएफ बफर के लिए 5 एलएमटी प्याज की खरीद के बारे में किसानों, एफपीओ/ एफपीसी और पीएसी के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 11-13 अप्रैल के दौरान महाराष्ट्र के नासिक और अहमदनगर जिलों का दौरा किया था। केंद्र ने पश्चिम एशिया और कुछ यूरोपीय देशों के निर्यात बाजारों के लिए विशेष रूप से उगाए गए 2, हज़ार टन सफेद प्याज के निर्यात की भी मंजूरी दी है। बता दें कि सरकार ने 8 दिसंबर, 2023 को प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

साथियों बात अगर हम दिनांक 26 अप्रैल 2024 को सफेद प्याज़ निर्यात की इजाजत की करें तो, एक्सपोर्ट बैन के बावजूद केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए 2 हज़ार एम टन सफेद प्याज के निर्यात की अनुमत दे दी है। इसका फायदा मुख्य तौर पर गुजरात के कसानों को मलेगा, क्योंक वहीं पर सफेद प्याज की खेती सबसे ज्यादा होती है। लोकसभा चुनाव के बीच हुए इस फैसले पर कुछ लोग यह कहते हुए सवाल उठा रहे हैं क यह गुजरात के कसानों को खुश करने की कोशश है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी एक नोटफकेशन में कहा गया है कि सफेद प्याज के निर्यात की अनुमति केवल तभी दी जाएगी जब गुजरात के बागवानी आयुक्त निर्यात की जाने वाली वस्तु और मात्रा को प्रमाणित करेंगे, इसीलए महाराष्ट्र के किसान नेता कह रहे हैं क सर्फ गुजरात के कसानों को फायदा दलाने की कोशिश क्यों हो रही है? सफेद प्याज को एक्सपोर्ट करने के नोटफकेशन में ऐसी कोई शर्त नहीं रखी गई है क इसका एक्सपोर्ट नेशनल को ऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) ही करेगा, बल्कि इसमें केवल इतना प्रावधान है कि निर्यात मुंद्रा और पिपावाव के गुजराती बंदरगाहों या मुंबई में न्हावा शेवा बंदरगाह के माध्यम से किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र प्याज उत्पादक संगठन ने कहा है क बीच चुनाव में गुजरात के पार्टी नेता अपने कसानों को फायदा दिलाने वाले फैसले करवा रहे हैं जबक महाराष्ट्र के नेता केंद्र सरकार के सामने नतमस्तक हैं, चाहे कसानों का जतना भी नुकसान हो जाए, वो भी तब जब महाराष्ट्र सबसे बड़ा प्याज उत्पादक है और एक्सपोर्ट बंद होने से हर कसान को लाखों का नुकसान हो रहा है।चुनाव और प्याज निर्यात महाराष्ट्र के कसान नेता 2 हज़ार टन सफेद प्याज के निर्यात को चुनावी कनेक्शन इसलए बता रहे हैं क्योंक गुजरात देश में सफेद प्याज का प्रमुख उत्पादक और निर्यातक है। भावनगर और अमरेली जैसे जिले जहां 7 मई को चुनाव होने हैं वहां सफेद प्याज का अच्छा उत्पादन होता है। बताया गया है की 80 फीसदी सफेद प्याज गुजरात में पैदा होता है जबक 20 फीसदी महाराष्ट्र और अन्य सूबों में होता है।

बहरहाल, सफेद प्याज एक्सपोर्ट में छूट को लेकर महाराष्ट्र जैसे पड़ोसी राज्यों के प्याज किसानों के बीच कुछ बेचैनी पैदा कर दी है, जो लाल प्याज उगाते हैं और उसका एक्सपोर्ट प्रतबंधत है। उधर, हॉर्टिकल्चर प्रोड्यूस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ने कहा कि थोक बाजारों में लाल प्याज का दाम गिरकर लगभग 12 रुपये प्रति किलोग्राम तक रह गया है, दूसरी ओर सफेद प्याज का भाव 17 रुपये तक है।प्याज का एक्सपोर्ट 7 दिसंबर 2023 से बैन है। जबक प्याज का पर्याप्त स्टॉक है। ऐसे में जब भी सरकार अतिरिक्त निर्यात की अनुमति दे तो उसे सभी व्यापारियों और किसानों के लिए इसका रास्ता खोलना चाहिए। महाराष्ट्र, देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक होने के नाते, निर्यात के लिए प्याज का प्रमुख आपूर्तिकर्ता होगा। सफेद प्याज की उत्पादन लागत बीज की ऊंची कीमत और अच्छी कृषि पद्धतियों को अपनाने के कारण सामान्य प्याज की तुलना में अधिक होती है।

साथियों बात अगर हम मालदीव से प्रतिबंध हटाने की करें तो हाल ही में मालदीव से प्रतिबंध हटाया था। हाल ही में भारत ने चालू वित्त वर्ष के दौरान मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी और दाल जैसी कुछ वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा के निर्यात पर प्रतिबंध को हटा दिया था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा था कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत मालदीव को इन वस्तुओं के निर्यात की अनुमति दी गई है। मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी, दाल, बजरी और नदी की रेत के निर्यात की अनुमति दी गई थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वाह रे प्याज़!निर्यात बंदिश के बावजूद 6 देशों का पहनोगे ताज़। भारत से प्याज निर्यात पर रोक के बावजूद सरकार ने 6 देश को सीमित निर्यात की इज़ाजत दी।सरकार का रबी-2024 में प्याज़ बंपर खरीदी का लक्ष्य- भंडारण फैसला 12 सव से 5 हज़ार मेट्रिक टन से अधिक करने का फैसला सराहनीय कदम है।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

अंतिम दशा

आकाश में उड़ना
सीखने के बाद
भूल गया हूं
उतरना जमीन पर

होठों पर कांटे
उगने के बाद
छोड़ चुका हूं
जी भर कर हंसना

रंगीन कागज जब
बन गए सब कुछ
छूट गया सार
जिंदगी का

ऊंची इमारतें
बनाने के बाद
गायब हो गई
आंख भर नींद

फस गई जब जिंदगी
शीशे के इमारत में
जब नहीं रहा कोई
जी भर बात करने वाला

बन गई है जिंदगी
एक कांच की स्लेट
बस अब इसे
बिखरना ही है टूट कर।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
कोलफील्ड मिरर

मैं मजदूर हूं

मैं मजदूर हूं,
सुन लो मेरी भी पुकार।
श्रमदान के बदले ना देना,
मुझको अपमान।
गरीबी की चादर ओढ़
अपने सपनों को, ना पंख लगा
पाऊं कभी।
ऊंची ऊंची इमारत को गढ़ना है,
काम मेरा।
सर्दी हो या गर्मी
पहाड़ से लेकर नदियों तक,
कभी चट्टानों को तोड़,
कभी धरती को खोद,
दो वक्त की रोटी पाने को,
करें साहब के आदेशों को पालन।
सुकून की नींदें, तारों से भरी रातें,
शीतल पवन, मन में ना कोई जलन,
पहने तन में सहनशीलता,
का आभूषण।
अपने मालिक को समझे हम भगवान।
वक्त की मार और लाचारी की भाल,
जब पड़ती है इस पेट पर तो,
बड़े-बड़े पर्वतों के बीच बन जाते हैं
रास्ते
कई कई मालों की इमारतें,
अपने हाथों से गढ़ते।
हां हम मजदूर हैं,
सुन लो हमारी भी पुकार।
दे दो जग में मुझे एक पहचान।
संघर्ष और श्रम है मेरा मान,
रखना इसे आप सब जतन।
हां मैं मजदूर हूं,
सुन लो मेरी पुकार।

कृष्णा मानसी (मंजूलता मेरसा)
बिलासपुर, (छत्तीसगढ़)
कोलफील्ड मिरर

चुनाव

चुनाव फिर से आ गए,लेके लाखों रंग
मत फँसना तुम जाल में ,कोई भी हो संग ।।

तुमको तो बस देखना,कौन करे है काम।
वोट उसे ही डालना, जो न पिलायें जाम।।

झूठी बातों से बचे ,रहना है भरतार।
हमें बचाना देश हैं,नाव तभी हो पार।।

मिल झूल बनाना हमें,भारत को खुशहाल ।
चल न पाएगा कभी,दुश्मन अपनी चाल।।

तभी हमारा देश तो, होगा बड़ा महान
बढ़े मान शोभा सदा, जग में हो यश गान।।

करे देश निर्माण जो,वही भक्त इंसान।
रक्षा सबकी जो करे ,उसका हो सम्मान।।

सीमा रंगा इन्द्रा
कोलफील्ड मिरर

हमारा निश्चय है सफलता का परिचय

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल 2024: मानव का दृढ़ निश्चय ही सफलता का सूचक है या इसको मैं यो कहूँ की किसी काम को करने का करना ही है पूर्ण चाहे कितनी चुनौती आये (सकारात्मकता में) तो उस कार्य में सफलता निश्चित है। मानव जीवन एक संघर्ष की गाथा है, संघर्ष करते मनुष्य के सामने अनेक संकट आते है और उनमें सफलता भी मिलती है, जो लोग डर कर संघर्ष करना छोड़ देते है तब संकट अधिक गहरा जाते है और उन पर विजय पाना कठिन हो जाता है, अतः संकटों से घबराने की जरूरत नहीं, उनसे निपटने का विचार दृढ़ संकल्पित करना चाहिए। जिस तरह पतझड़ का मौसम आने पर पेड़ो से सारे फल फूल पत्ते झड़ जाते हैं पर वह टूटता नही, बिना हिम्मत हारे मजबूती के साथ खड़ा रहता हैं यह सोच कर की फिर से बसंत का मौसम आयेगा और फिर से वह फल फूल पत्तो से लद जायेगा, हरा भरा हो जायेगा सो इस समय मुझे विचलित नही होना हैं सो इस बात से हमें भी यह सीख मिलती है की जीवन की हर अनुकूल प्रतिकूल परिस्थिति मे हम सम रहने का प्रयास करे। वृक्षों की मजबूती और कमजोर नींव के उदाहरण से जीवन संग्राम में आने वाले उतार चढ़ाव का सुंदर प्रेरणाप्रद विश्लेषण आता है कि जीवन के उतार चढ़ाव जो कर्मो के कारण आते हैं दृढ़ मनोबल के सहारे हम उन सबको आसानी से पार पा सकते है। हमारे सभी गुरुजनों और विद्वानों के द्वारा यहीं बात सीखी है सम्यक रत्नत्रयी हमें धर्म के उत्कृष्ट मार्ग में आने वाली हर बाधाओं से पार पहुंचाने में सहायक होती है यानि हमारी सकारात्मक सोच, हमारा दृढ़ निश्चय आदि हमारी सफलता का अग्रिम परिचय हैं।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

देश का हित

बाँट रहे हैं मुफ़्त रेवड़ी,
कुर्सी पाने की चाहत है।
देखके इनका रूप स्वार्थी,
भारत का मन आहत है ।।
खाकर मनभावन रेवड़ियाँ,
जनमानस भी मस्त है।
मूर्ख नहीं चालाक हैं ये भी,
बिल्कुल मौकापरस्त हैं।।
नेता जनता दोनों खुश हैं,
जेब से पैसा नहीं गया है।
पद पाकर ये देश लूटते,
नहीं शर्म ना कोई हया है।।
हे मतदाता आँखें खोलो,
इनके झाँसे में ना आओ।
मीठा है मधुमेह बढ़ाता,
मुफ़्त रेवड़ी तुम ना खाओ।।
देश के हित में त्याग समर्पण,
सच्चे सपूत की जिम्मेदारी।
ऐसे नेता को चलता कर दो,
जो हैं कपटी भ्रष्टाचारी।।
मान बढ़ाओ भारत माँ का,
ध्यान से तुम करना मतदान।
देश की प्रगति हाथ तुम्हारे,
पहचानो खुद को नादान।।

तुषार शर्मा "नादान"
गरियाबंद, छत्तीसगढ़
कोलफील्ड मिरर

महाराष्ट्र के राज्यपाल माननीय रमेश बैस जी से सौजन्य भेंट, छत्तीसगढ़ राम वनगमन पर सार्थक चर्चा

कोलफील्ड मिरर 29 अप्रैल 2024: माननीय राज्यपाल रमेश बैस जी से उनके रायपुर प्रवास पर आरडीए तथा बीज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष अग्रज श्याम बैस जी के साथ राम वन गमन पर पुष्पगुच्छ देकर सार्थक चर्चा साहित्यकार चिंतक (वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक) संजीव ठाकुर द्वारा की गई। उल्लेखनीय की श्री श्याम बैस द्वारा छत्तीसगढ़ में राम वन गमन पथ विकास एवं कौशल्या माता मंदिर चंदखुरी को वैश्विक

धार्मिक पर्यटन स्थल बनाने हेतु गंभीर प्रयास किए गए हैं उल्लेखनीय है कि माननीय रमेश बैस जी और श्याम बैस जी दोनों का जन्म गोढी (चंदखुरी) रायपुर में ही हुआ है उनके द्वारा राम वन गमन पथ के अंतर्गत कई किताबों का प्रकाशन किया गया है इसमें अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रंथ "छत्तीसगढ़ की रामायण" का संपादन भी श्याम बैस जी द्वारा अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर किया गया है। भविष्य में भी रामपथ वनगमन के विकास लिए प्रयास रत हैं।